Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-219 ● रायपुर, शुक्रवार 08 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-नवमीं

3

सेक्टर अधिकारी व पुलिस सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपादित

5

अभाविप नगर इकाई सिमगा के छात्राओं ने मंदिर हसौद रेप कांड के आरोपियों फांसी की सजा के मांग करते हुए पुतला...

7

अपनों के विरोध से टेकाम का उत्साह हुआ फीका

सुविचार

ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करे बल्कि ध्यान भी लगाए। प्रार्थना में हम ईश्वर से बात करते हैं जबकि ध्यान में ईश्वर हमसे बात करते हैं।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा की शादी का वेन्यू फिक्स

मुंबई। सांसद राघव चड्ढा और बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस महीने के अंत में राजस्थान के उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी की रस्में 23 और 24 सितंबर को लीला पैलेस और द ओबेरॉय उदयविलास में होंगी। 200 से अधिक मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था की गई है और 50 से अधिक वीवीआईपी मेहमान भी शादी समारोह में शामिल हो सकते हैं। बुकिंग कन्फर्म होते ही दोनों होटलों में शादी की रस्मों की तैयारियां शुरू हो गईं। शादी में आप सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके पंजाब के सीएम भगवंत मान सहित कई लोग शामिल होंगे। परिणीति चोपड़ा की चचेरी बहन प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस भी शादी में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, हल्दी, मेहंदी और महिला संगीत समेत शादी के कार्यक्रम 23 सितंबर से शुरू होंगे। शादी के बाद हरियाणा के गुरुग्राम में एक रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा। लीला पैलेस और उदयविलास के अलावा आसपास के तीन होटलों में भी बुकिंग की गई है। वीवीआईपी मेहमानों की महत्ता को देखते हुए खुफिया अधिकारियों ने होटलों में निरीक्षण किया है।

भाजपा नेत्री का दबंग अंदाज, कनपटी पर लगाई पिस्टल

मेरठ। कनपटी पर पिस्टल लगाकर एक भाजपा नेत्री का वीडियो वायरल हो गया। मेरठ के इस मामले की शिकायत ट्वीट कर डीजीपी से की गई तो पल्लवपुरम पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। पल्लवपुरम क्षेत्र अंतर्गत दुल्हैड़ा गांव निवासी महिला नेत्री का हथियार के साथ वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वहीं, मामला लखनऊ तक पहुंचा तो पुलिस हरकत में आ गई। दुल्हैड़ा गांव निवासी मीनाक्षी चौहान विश्व हिंदू रक्षा सेना की पदाधिकारी और भाजपा नेत्री भी हैं। मंगलवार को पिस्टल के साथ उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भाजपा नेत्री ने पिस्टल कान पर लगाकर फोटो खिंचवाया, जो वायरल हो गया। वहीं, भीम आर्मी के कार्यकर्ता आकाश सागर ने इस मामले की शिकायत ट्वीट कर डीजीपी से कर दी। इसके बाद पल्लवपुरम पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

जी-20 के प्रतिनिधि चखेंगे लजीज पकवान

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधि न केवल दुनिया के ज्वलंत मुद्दों और आर्थिक विषयों पर चर्चा करेंगे बल्कि वे लजीज भारतीय व्यंजनों का भी लुत्फ उठायेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुपस्थिति में हो रहे इस सम्मेलन में जी-20 के राष्ट्रध्यक्षों की पत्नियां और महिला प्रतिनिधियों को केन्द्र सरकार ने आधुनिक स्वरूप में बने भारतीय प्राचीन व्यंजनों के रसास्वादन के लिए आमंत्रित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद , पूसा में मेहमानों को मोटे अनाजों श्रीअन्न के बने पकवानों को न केवल चखने के लिए।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका-एफआईआर दर्ज करने की मांग

उदयनिधि को महंगी न पड़ जाए सनातन धर्म पर टिप्पणी- सुको

■ अपने बयान पर अड़े हुए हैं उदयनिधि स्टालिन

नई दिल्ली। एजेंसी

तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन की 'सनातन धर्म' को समाप्त करने वाली टिप्पणी का मामला सुप्रीम कोर्टकी चौखट तक आ पहुंचा है। बता दें कि दिल्ली के एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर कर उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ 'एफ्आईआर' की मांग की। तमिलनाडु की द्रमुक सरकार में युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में सनातन धर्म को विवादित टिप्पणी की थी। जिसके बाद उनकी चौतरफा आलोचना हो रही है। इसके बावजूद वह अपने बयान पर अड़े हुए है। इसी बीच दिल्ली के एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और उदयनिधि के खिलाफएफ्आईआर की मांग की। वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि वह सनातन धर्म के अनुयायी हैं और उदयनिधि के नफरती भाषण से बेहद दुखी हैं। याचिका में कहा गया है कि आवेदक ने दिल्ली पुलिस आयुक्त के पास पहले ही शिकायत दर्ज कर द्रमुक नेता के खिलाफ दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग की।समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली और चेन्नई पुलिस के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की, क्योंकि पुलिस ने नफरती भाषण के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए एफ्आईआर दर्ज नहीं की। हाल ही में तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद पूरे देश के सनातनी इसकी निंदा कर रहे हैं। हालांकि, स्टालिन ने यह बयान एक कार्यक्रम में दिया था, लेकिन जब यह इंटरनेट पर पहुंचा तो राजनीति के गलियारे में जंगल की आग की तरह फैल गया। वहीं, उदयनिधि स्टालिन के बयान को लेकर विपक्ष के गठबंधन पर भाजपा ने सवाल उठा दिए। इसके अलावा, उदयनिधि के बयान का विवाद ठंडा भी नहीं पड़ा था और डीएमके के एक और नेता ए. राजा ने भी सनातन धर्म की तुलना एड्स और कोढ़ बीमारी से कर दी। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के नेताओं की विवादित बयानबाजी गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचा सकती है। इसी का अंदाजा लगाते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राजा और स्टालिन आईएनडीआईए को टाइटैनिक जहाज बना देंगे। आचार्य प्रमोद के इस ट्वीट के बाद से सियासी गलियारे में काफी खलबली मच सकती है। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले कांग्रेस के सपोर्टरों ने आचार्य प्रमोद को ही निशाने पर लेने की कोशिश की है। आचार्य प्रमोद कृष्णम खुद एक कांग्रेसी नेता होने के बावजूद इस तरह की बागी टिप्पणी कर रहे हैं तो संभव है पार्टी सकते में आ सकती है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि आचार्य प्रमोद प्रियंका गांधी के सलाहकार भी रह चुके हैं।

विपक्ष के विवादित बयानों पर कांग्रेसी नेता बोले ...स्टालिन इंडिया को टाइटैनिक बना देंगे.....

बगावती बयानों के लिए मशहूर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम सियासत की हालिया गर्माहट पर बखूबी हाथ सेंक रहे हैं। 'मेरा भारत महान' के बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम का एक और ट्वीट सामने आया है, जो विपक्ष के लिए परेशानी बन सकता है। आचार्य प्रमोद ने इस बार सीधा हमला विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए पर बोला है। आचार्य प्रमोद ने कहा कि ए राजा और स्टालिन आईएनडीआईए को टाइटैनिक जहाज बना देंगे। हाल ही में तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खिलाफविवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद पूरे देश के सनातनी इसकी निंदा कर रहे हैं। हालांकि, स्टालिन ने यह बयान एक कार्यक्रम में दिया था, लेकिन जब यह इंटरनेट पर पहुंचा तो राजनीति के गलियारे में जंगल की आग की तरह फैल गया। वहीं, उदयनिधि स्टालिन के बयान को लेकर विपक्ष के गठबंधन पर भाजपा ने सवाल उठा दिए। इसके अलावा, उदयनिधि के बयान का विवाद ठंडा भी नहीं पड़ा था और डीएमके के एक और नेता ए. राजा ने भी सनातन धर्म की तुलना एड्स और कोढ़ बीमारी से कर दी। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के नेताओं की विवादित बयानबाजी गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचा सकती है। इसी का अंदाजा लगाते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राजा और स्टालिन आईएनडीआईए को टाइटैनिक जहाज बना देंगे।

लास्ट मिनट पर राज्य को चावल देने से मना किया

भाजपा सरकार नीच व गरीबों के दुश्मन-सीएम सिद्धारमैया..

बेंगलुरु/ एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा- भाजपा सरकार नीच है। वो गरीबों की दुश्मन है। वो सिर्फपूंजीपतियों का समर्थन करती है। उन्होंने हमें लास्ट मिनट पर 5 किलो चावल देने से इनकार कर दिया। दरअसल, राज्य सरकार ने अन्न भाग्य योजना के तहत हर लाभार्थी को अतिरिक्त पांच किलो चावल की आपूर्ति करने के लिए केंद्र से चावल की मांग की थी।. उन्होंने लोगों से अपील भी की कि ऐसी पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में एक भी वोट नहीं देना चाहिए। सिद्धारमैया ने यह बातें क्षीर भाग्य योजना के 10 साल पूरे होने पर

कर्नाटक के तुमकुरू में आयोजित एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा। सिद्धारमैया ने कहा- हमने फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से चावल मुफ्त में नहीं मांगा था। हम उन्हें 36 रुपए प्रति किलो के हिसाब से पैसे दे रहे थे। पहले उन्होंने हां कहा लेकिन लेकिन लास्ट मिनिट में मना कर दिया। ऐसा केंद्र के दबाव में किया गया। केंद्र सरकार ने एफसीआई को निर्देश दिया कि वो हमें चावल नहीं दें। उन्होंने कहा कि जब मैं अपने पिछले कार्यकाल के दौरान सीएम था, तो मैं गरीब लोगों को 7 किलो चावल मुफ्त दे रहा था, लेकिन पिछली भाजपा सरकार ने इसे घटाकर 4 किलो और 5 किलो कर दिया। उन्होंने पीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कहा है कि अगर गरीब लोगों को मुफ्त चावल दिया गया, तो राज्य दिवालिया हो जाएंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने राज्य में पांच चुनावी गारंटी में से चार को लागू कर दिया गया है। जिन चार गारंटियों को लागू किया गया है उनके नाम नीचे दिए गए हैं।

जन आशीर्वाद यात्रा काफिले पर पथराव, वाहन क्षतिग्रस्त

नीमच। मध्यप्रदेश के नीमच जिले के मनासा क्षेत्र में जन आशीर्वाद यात्रा के काफिले पर कुछ लोगों ने हंगामा करते हुए पथराव कर दिया, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालाकि वाहनों में सवार भारतीय जनता पार्टी भाजपा के नेता सुरक्षित हैं। इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी सामने आयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रावली कुंडी क्षेत्र में कुछ ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल वाहनों पर पथराव किया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों ने तुरंत स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

सनातन धर्म विवाद

जिसने चुनौती दी वो मिट गया-योगी आदित्यनाथ...

लखनऊ। सनातन धर्म विवाद पर अब यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने चुप्पी तोड़ते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने कहा है कि जिसने सनातन धर्म को चुनौती दी वो मिट गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाबर-औरंगजेब का अत्याचार भी सनातन धर्म को नहीं मिटा पाया। कृष्ण जन्माष्टमी' के पावन अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज का समय जब पूरा देश सकारात्मक दिशा में बढ़ने का

काम कर रहा तब कुछ लोगों को ये अच्छा नहीं लगता। इन उपलब्धियों पर उनके द्वारा भारत, भारतीयता, यहां की सनातन परंपरा पर उंगली उठाने का कार्य किया जा रहा है...ये भूल गए कि जो सनातन नहीं मिटा था रावण के अहंकार से।

ए राजा बोले-सनातन धर्म एचआईवी कोढ़ जैसा

ये आईएनडीआईए गठबंधन का हिंदूफोबिया दिखाता है-प्रधान...

चेन्नईए/ एजेंसी

डीएमके नेताओं की तरफ से सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिए जा रहे हैं। ताजा टिप्पणी पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा की है। इसमें उन्होंने कथित रूप से एक सभा में सनातन धर्म को एचआईवी (एड्स) और कोढ़ जैसा बता दिया। राजा के बयान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपमानजनक करार दिया। प्रधान ने कहा कि नाम बदलने से किसी का चरित्र और इरादा नहीं बदल जाता। राजा का सनातन धर्म पर दिया गया बयान इंडियन नेशनल डेवलप मेंटल इनक्लूसिव

अलायंस का मानसिक दिवालियापन और हिंदूफोबिया हिंदू से डर दिखाता है। देश देख रहा है कि कांग्रेस और उसके दोस्त भारत की आत्मा और जड़ों को गंदा कर रहे हैं। तमिलनाडु ष्टरू एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में 2 सितंबर को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। 4 दिन बाद 7 सितंबर को उन्होंने पहली बार सफाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं किसी भी धर्म का दुश्मन नहीं हूं। मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया।' उदयनिधि ने गुरुवार को 4 पेज के स्टेटमेंट में अपनी बातों को साफ किया। इसी के साथ उदयनिधि के पिता एमके स्टालिन ने बेटे का बचाव किया। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर बयान पोस्ट किया - भाजपा ने झूठी कहानी फैलाई है। पीएम ने भी बिना सच जाने इस पर कमेंट किया।

जी- 20 की शिखर बैठक में भाग लेने पहुंचे नाइजीरिया के राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू जी-20 की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार तड़के भारत पहुंच गए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने पालम सैन्य हवाई अड्डे पर श्री बोला का स्वागत किया। प्रोफेसर बघेल ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि जी 20 शिखर बैठक में शामिल होने के लिए आने वाले सभी राष्ट्राध्यक्षों में से भारत में सर्वप्रथम आगमन नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू का हुआ है। उन्होंने कहा, भारत सरकार की ओर से उनका स्वागत करने का अवसर मुझे प्राप्त हुआ । अतिथि देवो भव की परंपरा को निभाने वाले हमारे देश में उनका हम हृदय पूर्वक स्वागत करते हैं।

युवा अखंड भारत का सपना सच होते देखेंगे

जब तक समाज में भेदभाव रहेगा आरक्षण रहना चाहिए-भागवत....

नागपुर/ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार 6 सितंबर को कहा कि हमारे समाज में आज भी भेदभाव मौजूद है। जब तक ये असमानता बनी रहेगी, तब तक आरक्षण भी जारी रहना चाहिए। हम संविधान में दिए गए आरक्षण को पूरा समर्थन देते हैं। भागवत ने यह भी कहा कि अखंड भारत या अविभाजित भारत का सपना आज के युवाओं के बूढ़े होने से पहले सच हो जाएगा, क्योंकि 1947 में भारत से अलग होने वाले लोग अब महसूस कर रहे हैं कि उन्होंने गलती की। भागवत का बयान ऐसे

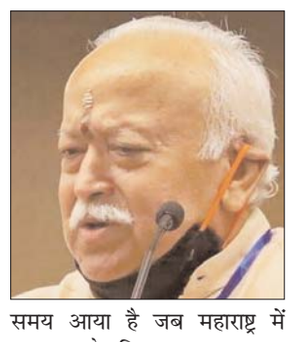

समय आया है जब महाराष्ट्र में आरक्षण के लिए मराठा समुदाय का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। हमने साथी मनुष्यों को सामाजिक व्यवस्था के तहत पीछे रखा। उनकी जिंदगी जानवरों जैसी हो गई, फिर भी उनकी परवाह नहीं की। ये सब 2000 साल तक जारी रहा। जब तक हम उन्हें समानता प्रदान नहीं करते, तब तक कुछ विशेष उपाय करने होंगे और आरक्षण उनमें से एक है। इसलिए हम संविधान में दिए गए आरक्षण को पूरा समर्थन देते हैं। समाज में भेदभाव मौजूद है, भले ही हम इसे देख न सकें। समाज के जो वर्ग 2000 साल तक भेदभाव से पीड़ित रहे, उन्हें समानता का अधिकार दिलाने के लिए हम जैसे लोगों को अगले 200 साल तक कुछ परेशानी क्यों नहीं झेलनी चाहिए। अगर युवा अखंड भारत के सपने के लिए काम करते रहेंगे, तो बूढ़े होने से पहले इसे साकार होता हुआ देखेंगे।

एनएमडीसी मुख्यालय बना राजनीतिक मुद्दा

तेलंगाना तक पहुंची इसकी आंच-जांच के घेरे में भूपेश सरकार

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) की स्थापना के 65 वर्ष बाद भी मुख्यालय तेलंगाना से छत्तीसगढ़ स्थानांतरित नहीं किया जा सका है। इसका नुकसान राजस्व के साथ ही रोजगार के रूप में छत्तीसगढ़ को उठाना पड़ रहा है। खनिज संपदाओं की खोज के बाद केंद्र सरकार ने 1958 में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम(एनएमडीसी) की नींव रखी और छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में एनएमडीसी का संयंत्र स्थापित किया गया। बस्तर के बैलाडीला, बचेली, किरंदुल, नगरनार आदि स्थानों पर एनएमडीसी का सबसे बड़ा संयंत्र हैं, लेकिन इसका मुख्यालय अभी भी तेलंगाना में स्थित है। हैदराबाद में बैठे अधिकारियों के दिशा-निर्देशों से एनएमडीसी का संचालन होता है। इस मामले पूरे मामले पर अब राज्य सरकार ने केंद्र पर दबाव बनाया है कि एनएमडीसी का मुख्यालय छत्तीसगढ़ में स्थानांतरित होना चाहिए। उद्योगपतियों का कहना है कि 1958 में एनएमडीसी की स्थापना के बाद बस्तर से नजदीक होने की वजह से हैदराबाद में हवाई, होटल आदि सुविधाओं की वजह से अस्थायी मुख्यालय बनाया गया था, लेकिन जैसे-जैसे उत्पादन शुरू हुआ अस्थायी मुख्यालय स्थायी रूप से हैदराबाद में ही शिफ्ट कर दिया गया। तब अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ में मुख्यालय के लिए दबाव नहीं बन पाया था, लेकिन अब राज्य सरकार ने इस मामले पर साफ कर दिया है कि खदान छत्तीसगढ़ में हैं तो मुख्यालय भी प्रदेश में ही होना चाहिए। इस विषय पर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। एनएमडीसी का हेड क्वार्टर अब राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। यह छत्तीसगढ़ में हो इसके लिए राजनीति तेज हो चुकी है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने इस पर लड़ाई छेड़ दी है।विधानसभा चुनाव में भी इसका इस्तेमाल किया जाएगा। भाजपा सरकार के कार्यकाल में इस मुद्दे को लेकर बड़ा आंदोलन नहीं किया गया। हालांकि बस्तर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पहले भी मुख्यालय प्रदेश में स्थापित करने की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं। बस्तर क्षेत्र में खदान होने के बाद भी लौह अयस्कों के लिए छत्तीसगढ़ के उद्योग अभी भी एनएमडीसी की प्राथमिकता सूची में नहीं है। एनएमडीसी से हर वर्ष स्पंज आयरन उद्योगों को पांच से छह मिलियन टन आयरन ओर की मांग रहती है, लेकिन यह वर्तमान में तीन मिलियन टन से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उद्योगपतियों का कहना है कि एनएमडीसी से पर्याप्त लौह अयस्क नहीं मिलने की वजह से मजबूरी में दक्षिण आफ्रीका और आस्ट्रेलिया से आयरन ओर मंगाना पड़ता है। स्थानीय उद्योगों को हर साल कम से कम 12 मिलियन टन आयरन ओर की जरूरत होती है। एनएमडीसी का सालाना उत्पादन 40 मिलियन टन से अधिक है। एनएमडीसी से छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, पंजाब झारखंड आदि राज्यों के साथ विदेश में भी लौह अयस्क निर्यात किया जाता है।

25000 करोड़ लागत से स्टील प्लांट

बस्तर जिले के नगरनार में 25000 करोड़ रुपये की लागत से एनएमडीसी स्टील प्लांट तैयार किया गया है। इस प्लांट में उत्पादन क्षमता तीन मिलियन टन सालाना है। प्लांट का निर्माण आठ वर्ष पहले शुरू किया गया था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि स्टील प्लांट में प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड कंपनी 2 जनवरी 2015 को अस्तित्व में आई, लेकिन इसका मुख्यालय भी तेलंगाना में बनाया गया। एनएमडीसी का मुख्यालय रायपुर में होना चाहिए। एनएमडीसी अपने 90 प्रतिशत व्यवसाय का संचालन छत्तीसगढ़ से करता है। अब राजधानी में विमान, होटल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यालय प्रदेश में स्थानांतरित होने से उद्योगपतियों को राहत मिलेगी। लौह अयस्क में भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

पब्लिक स्पीकिंग को बेहतर करने के लिए अभ्यास जरूरी

आज के दौर में अच्छी पब्लिक स्पीकिंग, यानी ग्रुप्स के बीच अपनी बातों को रखना अहम स्किल है। इससे आपमें प्रभावी तरीके से कम्युनिकेशन की कला आ जाती है। लीडरशिप क्वॉलिटी भी इस स्किल के बिना अधूरी मानी जाती है। ऐसा नहीं है कि हम बातें करना नहीं जानते। रोजमर्रा की दिनचर्या में हम एक-दूसरे से ढेरों बातें करते हैं लेकिन जब किसी ग्रुप के सामने फॉर्मल स्पीच देनी हो, तो हममें से कई हिचकिचाहट और घबराहट के शिकार हो जाते हैं। मन में अजीब-सा डर पैदा हो जाता है। ऐसा भी नहीं कि इन स्थितियों से उबरा नहीं जा सकता। कुछ अभ्यास कर पब्लिक स्पीकिंग को बेहतर किया जा सकता है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे ही उपायों के बारे में, जिनसे आप अच्छे स्पीकर बन सकते हैं। तैयारी बहुत जरूरी अगर आपको कहीं भाषण देना हो, तो उसका अभ्यास जरूरी है। इससे आत्मविश्वास आ जाता है। तैयारी के लिए सबसे पहले स्पीच की थीम को समझें, फिर नोट्स बनाएं। इसमें विषय से जुड़े उन्हीं विचारों को शामिल करें, जो आपके भाषण के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। तैयारी करते समय टारगेट ऑडियंस को भी ध्यान में रखें।

रिलैक्स्ड रहें

जब भी आप स्पीच देने जाएं, तो खुद को रिलैक्स्ड रखें। मुस्कुराएं और श्रोताओं से नाता बनाने की कोशिश करें। खुद का परिचय दें। फिर अपनी स्पीच इस ढंग से शुरू करें कि श्रोताओं में आपकी बात सुनने की उत्सुकता जागे। अपने विचारों को सिलसिलेवार ढंग से पेश करने की कोशिश करें। इससे एक ही बात बार-बार दोहराने की चूक नहीं होगी। स्पीच के दौरान कभी भी जल्दबाजी न दिखाएं। ऐसे मौकों पर भाषण की गति संतुलित बनाए रखें।

अंदाज हो दिलचस्प

भाषण को दिलचस्प अंदाज में पेश करना बहुत अहमियत रखता है। अन्यथा लोग सुनने में दिलचस्पी नहीं लेंगे। इसलिए अपनी स्पीच की रोचकता बनाए रखें। बीच-बीच में कोई चुटीली बातें करते रहें या फिर जोक या निजी अनुभव भी शेयर करके माहौल को हल्का बनाए रख सकते हैं। भाषण देते वक्त आप उत्साही नजर आने चाहिए। अपना आई-कॉन्टैक्ट सारा समय किसी एक ही श्रोता पर न बनाए रखें। धाराप्रवाह होना एक अच्छे स्पीकर की निशानी है। इसलिए बोलते समय हिचकिचाहट से बचें और बार-बार एक ही बात को न दोहराएं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खयाल

भाषण के दौरान बॉडी लैंग्वेज और हाव-भाव बड़ा मायने रखते हैं। आप अपने मूवमेंट और हाथों की एक्टिविटी से श्रोताओं का ध्यान आसानी से अपनी तरफ आकर्षित कर सकते हैं। अगर एक ही जगह पर खड़े रहकर बिना हिले-डुले स्पीच देते रहेंगे, तो अच्छा इंप्रेशन नहीं छोड़ पाएंगे। इसलिए ऐसे मौकों पर अपनी पॉस्चरिंग सही रखें। जेब में हाथ न रखें। श्रोताओं की तरफ पीठ करके बिल्कुल भी न खड़े हों।

आसान शब्दों का प्रयोग

कई बार अच्छा भाषण देने के बावजूद वक्ता श्रोताओं के दिलोदिमाग पर असर नहीं छोड़ पाते हैं। इसकी वजह है भाषा, क्योंकि कई बार वक्ता अपने भाषण में बहुत अधिक कठिन भाषा या शब्दों का इस्तेमाल कर बैठते हैं, जो वहां मौजूद लोगों को समझ में नहीं आते हैं। इसलिए श्रोता वर्ग को ध्यान में रखकर शब्दों का चयन करें। आवाज का उतार-चढ़ाव आवाज की स्पष्टता और वॉइस पिच किसी भी भाषण का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसलिए आपमें आवाज के सही उतार-चढ़ाव की समझ होनी चाहिए। यानी यही कि कब किस बात पर ज्यादा जोर देना है और कब कम। यह अभ्यास करने से आसान हो जाता है। साथ ही, आपके शब्दों के उच्चारण में भी स्पष्टता होनी चाहिए।

पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन का सहारा

सिर्फ स्पीच के नोट्स पढ़ने भर से आप श्रोताओं का ध्यान आकर्षित नहीं कर पाएंगे। नोट्स देखकर भाषण देना अच्छा नहीं माना जाता है। नोट्स को सिर्फ प्रॉम्प्ट के रूप में इस्तेमाल करें। ऐसे मौकों के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन भी तैयार रखना चाहिए। इससे श्रोताओं में आपकी बात सुनने की उत्सुकता बनी रहेगी।

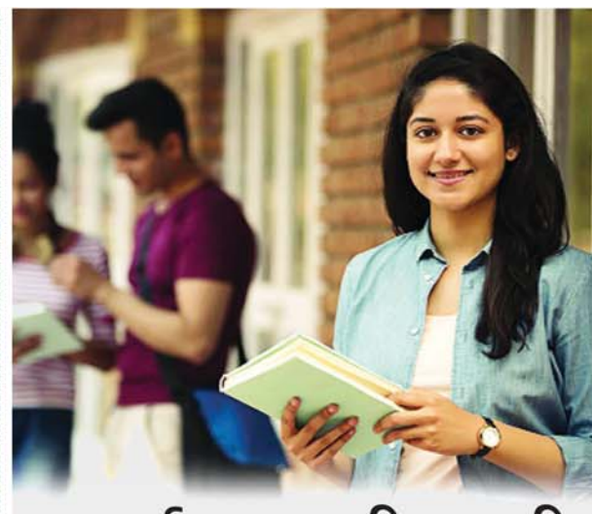

आईएएस, पीएससी के लिए इन तरीकों से करें जीएस की तैयारी

अक्सर जीएस को लेकर विद्यार्थियों के मन में हौवा बना रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विज्ञप्ति में सामान्य ज्ञान का सिलेबस काफी विस्तार से दिया जाता है। इसमें सामान्य विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, समसामयिक घटनाक्रम, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग एबिलिटी, कम्प्यूटर ज्ञान, कल्चर सहित कई विषय समाहित होते हैं। सिलेबस देखकर ही लगता है कि इसकी तैयारी काफी कठिन है। हालांकि ऐसा होता नहीं है। अगर सही रणनीति बनाकर और व्यवस्थित रूप से जीएस की तैयारी की जाए, तो यह उतना भी कठिन नहीं, जितना परीक्षार्थी इसे समझते हैं। जानते हैं कैसे आप इस कठिन-से लगने वाले विषय की बेहतर तैयारी कर सकते हैं।

नोट्स बनाएं

सबसे पहली बात तो यह कि आपको जीएस के महत्वपूर्ण नोट्स को अपडेट करते रहना चाहिए। नोट्स बनाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको एक ही विषय के किसी चैप्टर को बार-बार नहीं पढ़ना पड़ता है, क्योंकि पहली बार पढ़ने के दौरान ही आप उसे नोट कर चुके होते हैं। दोबारा जब भी पढ़ना हो, आप नोट्स से ही पढ़ेंगे। नोट्स से पढ़ना आसान भी होता है, क्योंकि हमें सिर्फ महत्वपूर्ण और चुनिंदा प्रश्न ही पढ़ने पड़ते हैं। इसका दूसरा फायदा यह है कि हमें वर्कलोड का एहसास नहीं होता और हम आसानी से पढ़ाई कर पाते हैं। केवल किताबों से पढ़कर ही नोट्स न बनाएं, बल्कि यह रुटीन बना लें कि आपको प्रत्येक दिन कम से कम एक अखबार पढ़ना ही है और उस अखबार में संपादकीय पेज तो खास तौर पर पढ़ना है क्योंकि उस पन्नो पर समसामयिक विषयों पर लेख और विचार पढ़ने को मिलते हैं। इसमें जो भी महत्वपूर्ण बातें लगें, उन्हें नोट्स में शामिल करें। यह जीएस की तैयारी में काफी काम आएगा।

गहराई में जाएं

परीक्षा के लिए जब आप जीएस की तैयारी कर रहे हों, तो यह मानकर चलें कि केवल मॉडल सेट हल करने या पिछले 10 वर्षों में पूछे गए प्रश्नों को हल करने से ही आपकी तैयारी पूरी नहीं हो जाएगी। डेप्थ स्टडी जरूरी है। मन लगाकर हर विषय को गहराई में जाकर पढ़ें और सभी महत्वपूर्ण टॉपिक्स या बातों को या तो किताब में अंडरलाइन करते चलें या फिर उनके नोट्स बना लें। आपको केवल मुद्दों या विषय की जानकारी ही नहीं होना चाहिए, बल्कि उसकी छोटी-छोटी महत्वपूर्ण बातों की पूरी जानकारी आपके पास होनी चाहिए, तभी आप जीएस में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आसानी से दे पाएंगे।

इंटरनेट की मदद

आज ज्यादातर विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन है। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आपका फोन जीएस की बेहतर तैयारी करा सकता है। एंड्रॉयड सहित अन्य ओएस पर जीएस से जुड़े कई एप्लिकेशंस हैं, जिन्हें आप डाउनलोड कर डेली अपडेट हो सकते हैं। यहां न केवल आप प्रश्नों के उत्तर दे पाएंगे, बल्कि करंट अफेयर्स सहित अन्य विषयों की भी बेहतर तैयारी कर सकेंगे। अगर आप एप्स डाउनलोड नहीं करना चाहते हैं, तो आप सीधे इंटरनेट से जीएस की तैयारी से संबंधित सुझाव लेने के साथ ही ऑनलाइन जीएस टेस्ट देकर अपनी तैयारी का आंकलन भी कर सकते हैं। ऑनलाइन आप इंटरनेशनल न्यूजपेपर्स और जर्नल्स भी पढ़ सकते हैं।

स्टडी मटेरियल

बाजार में कई तरह का स्टडी मटेरियल मिलता है लेकिन इसमें से ज्यादातर आपकी तैयारी को और उलझा सकता है। इसलिए उसी स्टडी मटेरियल पर भरोसा करें, जो विश्वसनीय और प्रतिष्ठित हो। जीएस के लिए सबसे महत्वपूर्ण है बेसिक स्टडी और बेसिक स्टडी के लिए नौवीं से बारहवीं तक की एनसीईआरटी पुस्तकों से बेहतर कुछ नहीं। विषयों पर अधिकार पाने के लिए एनसीईआरटी की पुस्तकें ही पढ़ें। इन पुस्तकों को पढ़ने से टॉपिक्स से संबंधित कॉन्सेप्ट क्लियर हो जाता है। इसका फायदा यह होता है कि जब आप उस विषय से संबंधित डेप्थ स्टडी कर रहे होते हैं, तो आपका कॉन्सेप्ट क्लियर होता है या आप उस विषय के इतिहास से परिचित होते हैं।

एक्सपर्ट राय लें

आप खुद बेहतर तैयारी कर सकते हैं, लेकिन कई बार आपको कंफ्यूजन हो सकता है। ऐसे में एक्सपर्ट राय लेना न भूलें। ये एक्सपर्ट आपके टीचर, सीनियर या कोई प्रोफेशनल भी हो सकते हैं।

मल्टीटास्किंग पसंद है तो ऑक्शनिंग फील्ड में बना सकते करियर

आपने नीलामी होते हुए अगर देखी हो तो इसे कंडक्ट करने वाले पर भी आपकी नजर गई होगी। बिडिंग एक ऑक्शनर के जॉब का वैसे तो महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, लेकिन जब हम इसके दूसरे पहलुओं को देखेंगे, तो ये एक चैलेंजिंग करियर हो सकता है। यानी जो लोग मल्टीटास्किंग में बिलीव करते हैं, उनके लिए ऑक्शनिंग फील्ड में काफी अवसर हैं।

मल्टीटास्किंग जॉब

एक ऑक्शनर का वर्क कैनवास जितना लार्ज होता है। वह एक ऑफिस मैनेजर, पब्लिक रिलेशन मैनेजर, अकाउंटेंट, कोऑर्डिनेटर जैसे कई रोल्स निभाता है। इनके लिए हर दिन नया होता है। कोई फिक्स्ड रूटीन नहींहोती। जब जैसा ऑक्शन होता है, उसी के मुताबिक इनका टाइम टेबल चेंज होता रहता है। हां, जब कोई बिड न हो, तो बोरिंग लग सकता है, लेकिन जो लोग करियर स्टार्ट करने जा रहे हैं, वे चैरिटी या फंड रेजिंग ऑक्शन में शामिल होकर एक्सपीरिएंस गेन कर सकते हैं।

स्किल्स

ऑक्शनिंग एक लुक्रेटिव करियर हो सकता है, लेकिन यहां सक्सेस पाना इतना आसान भी नहीं है। ट्रेनिंग, डिटरमिनेशन और स्किल्स के जरिए यहां बेहतर किया जा सकता है क्योंकि यह फील्ड दूसरे प्रोफेशन से काफी डिफरेंट है। इस कारण इसके प्रोफेशनल्स से एक अलग एटीट्यूड और क्वॉलिटी की उम्मीद की जाती है। ऑक्शनर बनने के लिए सबसे पहले एटीट्यूड होना चाहिए। आपको ऑडिएंस को लंबे टाइम तक बांधे रखने की आर्ट आनी चाहिए। साथ ही बायर्स के लिए ऐसा माहौल तैयार करना आना चाहिए, जिससे कि वे दोबारा ऑक्शन में आएं।

ट्रेनिंग प्रोग्राम्स

इसमें एंट्री के लिए किसी तरह का स्पेशलाइजेशन जरूरी नहीं है। भारत में कोई डिप्लोमा या डिग्री कोर्स नहीं चलाया जाता, लेकिन कुछ म्यूजियम कल्चरल हेरिटेज से रिलेटेड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स, शॉर्ट टर्म कोर्स या इंटर्नशिप कराते हैं। इस तरह अगर आर्ट या एंटीक ऑक्शनर बनना है, तो विजुअल आर्ट्स में ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट होने से बात बन जाएगी।

पैकेज

अगर ऑक्शनर बनकर करियर बनाना चाहते हैं, तो चैरिटी फर्म्स, बैंक, म्यूजियम, रियल एस्टेट फर्म आदि में काफी संख्या में ऑक्शनर रखे जाते हैं। आप एंटरप्रिन्योर बनकर लर्निंग और अर्निंग दोनों कर सकते हैं। सेल्स कमीशन के रूप में 40 से 50 हजार रुपये की इनकम हो जाती है। बडे ऑक्शन हाउसेज में भी अच्छा पैकेज मिल जाता है। एक अप्रेंटिस को 30 हजार मंथली जबकि एक्सपीरियंस्ड एक लाख रुपये तक की सैलरी मिलती है। कस्टमर्स से हेल्दी रिलेशनशिप जरूरी ऑक्शनर का जॉब टफ है। इसमें सक्सेस पाने के लिए अपने प्रोफेशन से लव करना होगा। अगर सिर्फ अर्न करने के लिए इस प्रोफेशन में आते हैं, तो यह फायदेमंद करियर कभी नहीं बन सकता है। इस प्रोफेशन में बिडर्स को हैंडल करने की कला आनी चाहिए। यह आर्ट किसी इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी में नहीं सिखाई जाती है, बल्कि अनेक तरह के कस्टमर को हैंडल करने के बाद आती है। आपके पास कस्टमर तभी आएंगे, जब हेल्दी रिलेशन बनाने की क्वॉलिटी होगी। इस प्रोफेशन में वर्क इन्हीं लोगों के फीडबैक से मिलते हैं। इसके चलते स्ट्रॉन्ग कम्युनिकेशन स्किल्स भी कंपल्सरी हैं।

प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं तो पहले ये बातें जानें

आज बारहवीं के बाद ही युवा कॅरियर निर्धारित करने लगे हैं। आज से कुछ सालों पहले तक यही सोच थी कि पहले पढ़ाई पूरी कर लें, बाद में नौकरी के बारे में सोचेंगे। अधिकतर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि यदि परंपरागत प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस आदि में एडमिशन नहीं मिल पाया तो उसके बाद प्रोफेशनल और एकेडमिक कोर्स में से क्या बेहतर होगा।

पहले ये सोचें

प्रोफेशनल कोर्स में जाने से पहले आपको कुछ सवालों के जवाब खुद तलाशने होंगे। क्या आपको अपनी परिस्थितियों और पारिवारिक समस्याओं के चलते जॉब की सख्त आवश्यकता है? क्या आपका परिवार आर्थिक रूप से इतना सक्षम है कि प्रोफेशनल शिक्षा के खर्च का वहन कर सके? अधिकतर स्टूडेंट्स पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के चलते प्रोफेशनल कोर्स का चयन करते हैं, ताकि कुछ वर्षो की पढ़ाई करने के बाद नौकरी का बेहतर विकल्प मिल सके। लेकिन कुछ कोर्स की फीस काफी अधिक होती है। इस कारण आपके लिए बेहतर होगा कि कोर्स चुनने से पहले उसकी फीस, कैंपस प्लेसमेंट और घर की आर्थिक स्थिति से भलीभांति अवगत हो जाएं।

क्या है रूचि

कोई भी कोर्स खराब नहीं होता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में सभी तरह के लोगों की मांग रहती है। इस कारण सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें कि हमें यह कोर्स करना है। कोर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान रखेंगे, तो आप सही और बेहतर कोर्स चुनने में सफल हो सकते हैं।

सही कॅरियर चुनने से पहले आप अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और आनेवाले समय में इनकी मांगों को अवश्य देखें। अब कॅरियर के क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों का वर्गीकरण कुछ इस तरह से हो गया है कि हर किसी के पास अपनी क्षमताओं, रुचियों व रुझानों के मुताबिक कई तरह के कॅरियर ऑप्शन हैं। प्रोफेशनल कोर्स ने छात्रों को ढेरों विकल्प दिए हैं।

पढ़ाई पहले

अक्सर स्टूडेंट्स किसी संस्थान में इस कारण एडमिशन ले लेते हैं कि उसका नाम काफी है। अन्य संस्थानों की अपेक्षा काफी पैसे भी देने के लिए राजी हो जाते हैं, लेकिन उन्हें पछतावा तब होता है, जब उस संस्थान में अपेक्षा के अनुरूप पढाई नहीं होती है। उस समय स्टूडेंट्स के पास कोई अन्य विकल्प नहीं होता है। आप यदि किसी संस्थान में किसी तरह का कोर्स करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस संस्थान के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। जानकारी प्राप्त करने का बेहतर तरीका यह है कि आप उस संस्थान में पढ रहे स्टूडेंट्स से पढ़ाई और फैकल्टी मेंबर्स के बारे में सही जानकारी लें। वहां के स्टूडेंट्स आपको सही बात बता देंगे। कुछ स्टूडेंट्स संस्थान के प्रोस्पेक्टस के आधार पर ही कैंपस प्लेसमेंट को सही मान लेते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिछले वर्ष पास किए गए स्टूडेंट्स की संख्या और नौकरी प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर ही कोई निर्णय लें।

सार-समाचार

आरबीसी 6-4 के तहत 92 लाख की सहायता राशि मंजूर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर न्यायालय अपर कलेक्टर राजस्व शाखा द्वारा आरबीसी (राजस्व पुस्तक परिपत्र) 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा व दुर्घटना से पीड़ित 23 परिवारों को 92 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई। इस पर प्रकाश डालते हुए अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने बताया कि प्राकृतिक प्रकोपों से हुई फसल क्षति, मकान क्षति, जनहानि, पशु हानि एवं अन्य क्षतियों के लिए छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इसी के तहत जिले के पांच तहसील सूरजपुर, लाटोरी, रामानुजनगर, प्रेमनगर, व प्रतापपुर के 23 मृतकों के निकटतम वारिसानों को 92 लाख की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इन 23 व्यक्तियों की मृत्यु का मुख्य कारण सर्पदंश व पानी में डूबना था।

बुधवार हाट बाजार ओड़गी में पात्र मतदाताओं को निर्वाचन की प्र ि या में जुड़ने के लिए किया गया जागरूक

नन्दू यादव

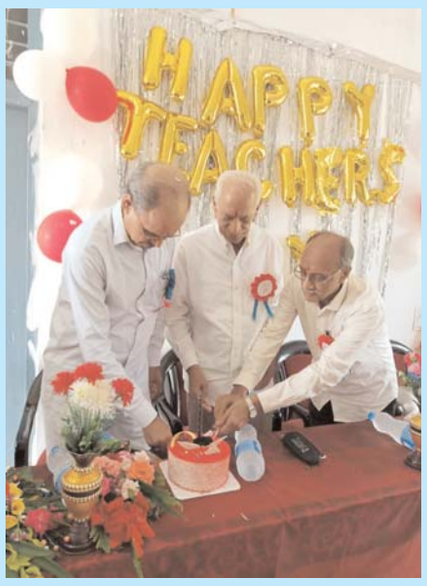

सूरजपुर भारत भास्कर बुधवार हाट बाजार ओड़गी, जिला में मतदाता जागरूकता के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मतदाता जागरूकता शपथ कराया गया तत्पश्चात 18 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को फार्म-6 भरना बताया गया तथा उनको बताया गया कि 11 सितम्बर 2023 तक फार्म भरकर अपने पंचायत के बीएलओ या तहसील कार्यालय में जमा करें। इस पर विस्तृत चर्चा किया गया। फार्म-6 फार्म - 7 एवं फार्म-8 के बारे में फॉर्म ऑफ्लाइन एवं ऑनलाइन भरने हेतु समझाया गया। निर्वाचन नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 की दावे और आपत्ति की तिथि में परिवर्तन कर 11 सितम्बर तक कर दिया गया है। आप सभी इस तिथि तक फार्म 6 फार्म-7 एवं फार्म-8 एवं फार्म 68 भर सकते है। फार्म-7 विलोपित फार्म तथा प्रारूप-8 किन-किन परिस्थितियों में (प्रविष्टि में संशोधन, निवास में स्थानांतरण, डुप्लीकेट वोटर कार्ड हेतु, दिव्यांग चिन्हित करने हेतु) संशोधन फार्म भरने की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर श्री मो. शाकिर अंसारी श्री प्रदीप कुमार सिंह, श्री राजेश प्रसाद पाल तथा इस हाट बाजार मे नागरिक गण उपस्थित थे। श्वङ्करू मशीन से मतदान की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

मामूली विवाद पर किसान की हत्या, गिरफ्तार

बिलासपुर। मामूली विवाद पर एक किसान की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दो सगे भाईयों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक भगवान बिश्रोई मूलत: राजस्थान का रहने वाला था। वह तखतपुर के पास बांसाझाल गांव में 60 एकड़ कृषि भूमि लेकर उसमें सब्जी उगाकर बेचता था। हाल ही में जबलपुर में रहने वाला आरोपी सगम अंसारी उसके यहां सब्जी लेने पहुंचा था। यहां सब्जी के दाम को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद सगम अंसानी वापस जबलपुर लौट गया। कुछ समय बाद अचानक भगवान बिश्रोई गायब हो गया। उसके लापता होने पर छोटे भाई ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। वह सगम अंसारी से विवाद होने की बात भी बताई। इसके बाद पुलिस ने सगम अंसारी को जबलपुर पहुंचकर दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने भाई गुलशेर, अनु गौर के साथ मिलकर हत्या की बात स्वीकार कर ली।

सेक्टर अधिकारी व पुलिस सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपादित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 05-भटगांव एवं 06 प्रतापपुर के समस्त सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ जिसमें प्रशिक्षण स्थल पर जिला निर्वाचन अधिकारी का आगमन हुआ एवं उनके द्वारा सेक्टर अधिकारियों एवं पुलिस सेक्टर अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करने के निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सेक्टर ऑफिसर का पद निर्वाचन प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण पद है, सेक्टर अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें मतदान केन्द्र तक पहुंच मार्ग, मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन, चुनावी प्रबंधन मतदान प्रक्रिया ई.व्ही.एम की व्ही. पेट में त्रुटि, उसकी कार्यप्रणाली, आदर्श आचरण संहिता कानून व्यवस्था का ज्ञान रहे। उन्होने सेक्टर ऑफिसर को अपने सेक्टर के अधीन समस्त मतदान केन्द्रों में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने के निर्देश दिये गये समस्त सेक्टर अधिकारियों को वेल्नेरेबिलिटी मैपिंग कमजोर मतदाताओं के बसाहट, मोहल्लों का चिन्हांकन करना जिन्हें डरा धमकाकर मतदान करने से रोका जाता है ऐसे डराने धमकाने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश सेक्टर अधिकारियों को दिये। उनके द्वारा समस्त क्रिटिकल मतदान केन्द्रों में वेबकास्टिंग कराने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी डी प्रियंका वर्मा द्वारा ई.व्ही.एम. एवं ही कही. पेट का संयोजन, ई. वही.एम एवं शी.व्ही. पैट का रिप्लेसमेंट नियम, मतदाता रजिस्टर प्रारूप- 17 क. मतपत्र लेखा प्रारूप- 17 ग के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सेक्टर अधिकारी प्रत्येक मतदान दल द्वारा तैयार मतपत्र लेखा प्रारूप-17 ग का पुन: जांच करें और देखें कि दस्तावेज सही ढंग से भरा गया है।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री प्रेमचंद सोनी प्राचार्य के द्वारा सेक्टर अधिकारियों के कार्य एवं उत्तरदायित्वों को पी.पी.टी. के माध्यम से विस्तारपूर्वक बताया गया सेक्टर ऑफिसरों के कार्य जिम्मेदारी निर्वाचन ड्यूटी आदेश मिलने के साथ शुरू हो जाती है और मतदान समाप्ति तक बनी रहती है तब तक कि उनके सेक्टर के अन्तर्गत सभी मतदान केन्द्रों की मतदान सामग्री एवं समस्त प्रपत्र जमा न हो जाये सेक्टर ऑफिसरों को मतदान के पूर्व मतदान केन्द्र संबंधी कार्य, मतदान सामग्री वितरण दिवस के कार्य मतदान दिवस के एक दिन पूर्व के कार्य और मतदान दिवस के कार्य के बारे में बताया गया। मतदान केन्द्र के पहुँच मार्ग का भौतिक सत्यापन मतदान केन्द्रों में सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं - भवन की स्थिति, पर्याप्त फर्नीचर, पेयजल, बिजली, शौचालय , छाया, रैम्प की जानकारी देने हेतु सभी सेक्टर अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण करने के लिए कहा गया। सेक्टर अधिकारियों को वल्नरेबिलिटी मैपिंग एवं क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन के मापदण्डों के बारे में बताया गया। सेक्टर अधिकारियों को रूट चार्ट के संबंध में जानकारी दी गई। मतदान केन्द्रों तक पहुंचने के लिए उचित वाहन, मतदान केन्द्रों के बीच पहुंचने का छोटा रास्ता पहुंचने में लगा समय मतदान केन्द्रों के बीच की वास्तविक दूरी मतदान केन्द्रों तक पहुंचने के वैकल्पिक मार्ग मतदान केन्द्रों पर मोबाइल कनेक्टिविटी, कम्युनिकेशन प्लान हेतु मतदान क्षेत्र में कार्यरत जमीनी कर्मचारियों के बी. एल. ओ. ग्राम सचिव पटवारी, आगनबाड़ी कार्यकर्ता मतदान केन्दों के जिम्मेदार कर्मचारी का मोबाईल नम्बर एवं नाम प्राप्त करने हेतु सेक्टर अधिकारियों को कहा गया।

भाजपा प्रत्याशी के जीत के लिए कार्यकर्ताओं को दिया गया महामंत्र

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर । प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 04 रामानुजनगर में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कामकाजी बैठक का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, विधानसभा के प्रभारी रामेश्वर पांडे, विधानसभा प्रेमनगर भाजपा प्रत्याशी भुलन सिंह मरावी, वरिष्ठ कार्यकर्ता लाल बहादुर तिवारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता सतनारायण दुबे, जिला महामंत्री राजेश महलवाला, जिला महामंत्री मुरली मनोहर सोनी, सरगुजा भाजपा पूर्व महामंत्री राजू अग्रवाल, देवनगर मंडल, रामानुजनगर मंडल , प्रेमनगर मंडल के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह बैठक कामकाजी बैठक के रुप में रखा गया था। जिसमें भाजपा प्रत्याशी के जीत के लिए कार्यकर्ताओं को महामंत्र दिया गया। श्री साय के द्वारा एक जुटता पर बल देने का प्रयास किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य - व्यापी शिक्षक नेतृत्व वाली पहलों की प्रदर्शनी में गौतम शर्मा के नवाचारों को मिली खूब सराहना

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर :- रूम टू रीड द्वारा राज्य-व्यापी पठन अभियान टीचर्स एज चेंजमेकर्स के तहत शिक्षक नेतृत्व वाली पहलों की प्रदर्शनी रायपुर के हॉटल द ग्रेंड राजपूताना में 6 सितम्बर 2023 को आयोजित की गई। इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले से एक ऐसे शिक्षक का चयन किया गया था, जिन्होंने सामुदायिक जुड़ाव से संबंधित परियोजनाओं अथवा क्रियाकलापों, कक्षा प्रबंधन रणनीतियाँ तथा शिक्षा तकनीकी आदि को बच्चों हेतु बड़े नवाचारों के रूप में उपयोग किया है। सूरजपुर जिले से इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी हेतु राज्यपाल पुरस्कृत प्रधान पाठक गौतम शर्मा का चयन किया गया। गौतम शर्मा के द्वारा इस प्रदर्शनी में सहभागिता निभाते हुए अपने 2 उत्कृष्ट सहायक शैक्षिक सामग्री अंक जमाओ,ईनाम पाओ और व्हील ऑफ फार्चुन का प्रदर्शन किया गया, जिसकी रूम टू रीड के छत्तीसगढ़ के साक्षरता अधिकारी प्रदीप सिंह और प्रदेश भर से आये शिक्षकों ने काफी प्रशंसा की । सभी शिक्षकों ने बहुत उत्साहित होकर दोनों सहायक शैक्षिक सामग्री का उपयोग किया और इसे बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत उपयोगी बताया तथा अपने - अपने स्कूलों में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में इसका उपयोग करने की बात कही। अंक जमाओ, ईनाम पाओ खेल में बस्तर जिले की शिक्षिका श्रीमती आशा कुरैशी और नारायणपुर जिले की शिक्षिका श्रीमती कविता हिरवानी खेल नियम अनुसार 1 मिनट में 20 अंकों की गोटी को निर्धारित 20 खानों में जमाने में सफल रही, दोनों विजेता शिक्षिकाओं को गौतम शर्मा के द्वारा ईनाम में पेन दिया गया। इसके साथ ही गौतम शर्मा ने कार्यक्रम में शिक्षक परिवर्तन के वाहक विषय हेतु निर्धारित 10 मिनट में सामुदायिक सहभागिता और शाला विकास के क्षेत्र में स्वयं के द्वारा किये गये नवाचारों,प्रयासों और अनुभवों को सभी के साथ साझा किया,जिसकी खूब सराहना हुई।

इमाम हुसैन के चालीसवें पर निकला मातमी जुलूस

बरसते पानी में हुआ इमाम हुसैन का मातम

रायपुर। हैदरी मस्जिद ट्रस्ट मोमिनपारा द्वारा हज़रत इमाम हुसैन के चालीसवें के अवसर पर आज यहाँ दोपहर बाद विशाल मातमी जुलूस निकाला गया7 हैदरी मस्जिद ट्रस्ट शीआ अस्ना अशरी मोमिन जमात के मुतवल्ली हैदर अली, मीडिया प्रभारी ताहिर हैदरी एवं सुख़नवर हुसैन ने बताया है कि मातमी जुलूस मोमिनपारा से प्रारंभ होकर हांडीपारा, आज़ाद चौक , आमापारा, विवेकानंद आश्रम, राजकुमार कॉलेज,जी.ई. रोड, होते हुए देर रात्रि में ऐतिहासिक करबला तालाब पहुंचकर समाप्त हुआ।

हज़रत इमाम हुसैन के चालीसवें के अवसर पर प्रतिवर्ष मोमिनपारा से विशाल मातमी जुलूस निकाला जाता है। जुलूस में कलात्मक ताज़िये और अलमे मुबारक भी शामिल हुए। राजधानी में हुसैनी मातमदारों ने जुलूस में शामिल होकर हज़रत इमाम हुसैन को अश्रुपूरित श्रद्धांजली अर्पित की। आज सुबह मोमिनपारा में कई स्थानों पर हज़रत इमाम हुसैन की याद में नज़रो न्याज़ का आयोजन हुआ। हैदरी मस्जिद से दोपहर बाद परंपरागत रूप से मातमी जुलूस निकाला गया। प्रारंभ में हज़रत इमाम हुसैन की शहादत पर केन्द्रित दर्द भरे मरसिये पेश किये गये।

शोक का प्रतीक काले कपड़े पहने हुए मातमदारों का विशाल जनसमूह जुलूस में सम्मिलित हुआ। हुसैनियों ने मातम करके, हुसैन के ग़म में आंसू बहाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

मातमी जुलूस में बहुत से कलात्मक ताज़िये और बड़ी संख्या में अलमे मुबारक(हुसैनी ध्वज)शामिल हुए, जो आकर्षण का केन्द्र रहे। जुलूस में अंजुमने अकबरिया, अंजुमने इमामिया और हुसैनी ग्रुप के नौहाखूवानों ने नौहे पेश किए।

मातमी जुलूस के दौरान जगह जगह हज़रत इमाम हुसैन की याद में सबील, शरबत, ठंडा पानी, तबर्रूक, प्रसाद, नज़रो न्याज़,फ्लआदि का वितरण विभिन्न समितियों और स्थानीय नागरिकों की ओर से श्रद्धापूर्वक किया गया। जुलूस के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम की ओर से समुचित व्यवस्था की गई।

मातमी जुलूस का नेतृत्व हैदरी मस्जिद ट्रस्ट के मुतवल्ली हैदरी अली और सचिव शौकत अली ने किया । जुलूस को सफल बनाने में हैदरी मस्जिद ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, गणमान्य नागरिकों तथा अंजुमनों का विशेष योगदान रहा।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों का किया गया मार्गदर्शन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में भूतपूर्व राष्ट्रपति तथा शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के स्मृति में 5 सितंबर 2023 को शिक्षक दिवस मनाया गया तथा दो प्रसिद्ध वक्ताओं के द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि द्वय श्री हरिशंकर त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता तथा श्री वेद प्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ साहित्यकार तथा समाजसेवी, प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र तथा वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बृज किशोर द्वारा संस्कृति की देवी सरस्वती तथा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा हुआ। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात अतिथियों के लिए स्वागत गीत दो छात्राओं जीनत गौसिया तथा जैतुन निशा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में गुरु की महिमा तथा राधाकृष्णन के जीवन का परिचय छात्रा गायत्री मिश्रा ने दिया। इसके पश्चात गायत्री राजवाड़े बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा ने एक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्रा प्रीति मिश्रा तथा आस्था बघेल ने डॉक्टर राधाकृष्णन के जीवन के विभिन्न प्रसंगों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। संगीता ने नागपुरी में एकल नृत्य एवं मिताली तथा उमा ने बंगाली समूह नृत्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में श्री वेद प्रकाश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मन से शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन से किसी ने पूछा कि आप विदेश पढ़ने क्यों नहीं गए तो उन्होंने कहा कि मैं विदेश पढ़ाने जाऊंगा। डॉक्टर राधाकृष्णन अच्छे लेखक, दार्शनिक तथा शिक्षाविद थे। उन्होंने कालांतर में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। श्री हरिशंकर त्रिपाठी ने अपने ओजपूर्ण व्याख्यान से विद्यार्थियों को प्रतिदिन अध्ययन की आदत डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अध्ययन की आदत से अध्ययन में रुचिपूर्ण लगने लगेगा। उन्होंने कहा कि आप शिक्षकों से प्रश्न करें। यदि आप प्रश्न नहीं करेंगे तो आप अच्छा ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते। शिक्षक बेहद सकारात्मक सोच वाले तथा रुचि पैदा करने वाले होते हैं। और शिक्षकों को भी इसी प्रकार अध्यापन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कम पढ़े लिखे व्यक्ति के पुत्र महामना मदन मोहन मालवीय ने अपने दृढ़ संकल्प के कारण पूरे देश से चंदा एकत्रित कर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के स्थापना 1916 में की। इस प्रकार के दृढ़ संकल्प से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। श्री त्रिपाठी ने फिल्म, साहित्य, गीत, संगीत, कला, शिक्षा तथा लोक कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को अच्छे अध्ययन तथा अध्यापन के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र ने कहा कि संतुष्टि जीवन में बेहद आवश्यक है। बहुत अधिक और अति शीघ्र अपने के लालसा के कारण हमारे भीतर षड्यंत्र पैदा होता है और हम समाज के लोगों की परवाह किए बगैर सिर्फ स्वार्थ पूर्ति में लग जाते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी जीवन ही स्वयं को गढ़ने का जीवन होता है। यदि हमने उस जीवन को खो दिया तो हम जीवन के लक्ष्य से दूर होते चले जाएंगे। शिक्षा आपकी आलोचना दृष्टि का विकास करती है। आप विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि वे सबों की बात सुनें और अपनी समझ के अनुसार अच्छी बातों को अपनाए। वे अपने जीवन में कृत्रिमता न आने दे। उनका स्वयं का व्यक्तित्व उसमें अवश्य दिखाई देना चाहिए। प्राचार्य महोदय ने कार्यक्रम के अंत में दोनों अतिथियों तथा अच्छे आयोजन के लिए छात्र-छात्राओं के प्रति आभार प्रदर्शन किया तथा विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी तथा दो छात्राओं आंचल कुशवाहा तथा नेमी तिवारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री बृजकिशोर त्रिपाठी, डॉ. प्रेमलता एक्का, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर श्रीमती अंजना श्री अमित सिंह बनाफर श्री भरत लाल कंवर श्री आशीष कौशिक, श्री जफीर, सुश्री स्वाति यादव के साथ-साथ कार्यालयीन कर्मचारी श्री वीरेंद्र सिन्हा, श्री अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्री ताराचंद साहू, श्री दिनेश तथा श्री हेमंत के साथ लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

108 दानों की जप माला का महत्व

आत्माराम यादव पीव

हमारे पौराणिक शास्त्रों में देवी देवता को प्रसन्न करने हेतु माला का विशेष महत्व दिया गया है। मंत्र जप के लिये तुलसी, स्फटिक, मोती, रूद्राक्ष आदि की माला करने का विधान हैं जिसमें माला में 108 की सॅख्या के दाने की माला की जाती है। वेद-पुराण और उपनिषदों में अनेक स्थानों पर मंत्र जप का उल्लेख किया गया है वही ज्योतिष एवं वैज्ञानिक मान्यतों भी इससे जुड़ गयी है। शिवपुराण, शिवसंहिता, देवीपुराण में रूद्राक्ष को महादेव का प्रतीक मानकर रूद्राक्ष की माला मंत्र का जाप को सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वमंगलमयी बताते हुये साधक के कल्याण के मार्ग की विधि बतायी गयी हैं। इसके अतिरिक्त तुलसी, स्फटिक, मोती या नगरों से बनी मालाओं का जाप भी प्राचीन काल से चला आ रहा है जिसमें साधक इनके प्रयोग से अपने आसपास के वातावरण को सकारात्मक एवं ऊॅर्जा से भरा आभासित कर शरीर में तेजोमय कंपन व संचार मेहसूस कर आनन्द से परिपूर्ण होना स्वीकारते है।

माला जप का विधान एवं महत्व:- माला मंत्र जप करने के शास्त्रोक्त नियम बताये गये है जिसमें अनामिका के मध्य भाग से नीचे की ओर गिनने, फिर कनिष्ठा के मूल से अग्रभाग तक गिनने का विधान है। इसके पश्चात अनामिका और मध्यमा के अग्रभाग होकर तर्जनी के मूल तक गिनती की जाती है जो अनामिका के दो, कनिष्ठा के तीन, पुन: अनामिका का एक, मध्यमा का एक और तर्जनी के तीन पर्व कुल मिलाकर दस सॅख्या होती है। शास्त्रोक्त मत देखे- आरम्भ्यानामिका मध्यम् पर्वानयुक्तान्यनुक्रमात। तर्जनीमूलपर्यन्तं जपेददशसु पर्वसु।। मध्यमागुलिमूले तु यतपर्व द्वितयं भवत्। तं वै मेरूं विजानीयज्जप्येतं नालिलंघयेत।। अर्थात -अंगुली के मध्य पोर से आरम्भ कर के क्रंमश: 10 पोरों पर बराबर जपे, लेकिन मध्यम अंगुली के जड़ के दो पोरों तक छोड़ दे, क्योंकि वे अंगुली के मेरू हैं और जप में मेरू का लंघन नहीं किया जाता है। देवी अनुष्ठानों में कुछ विशेष अनुष्ठान में अनामिका के दो पर्व/पोर, कनिष्ठा के तीन पोर, पुन: अनामिका के अग्रभाग का एक पोर मध्यमा के तीन, और तर्जनी के मूल का एक पोर कुल मिलाकर दस सॅख्या होती है।

मंत्र जप एवं इष्ट सिद्धि के लिये माला का प्रयोग के कई कारगार परिणाम भी प्राप्त किये गये है तभी इष्ट सिद्धि के लिये शीघ्र फल प्राप्ति हेतु माला जाप का प्रचलन बढ़ा है। माला जाप द्वारा मंत्रों की गणना आसानी से करने हेतु सजगता आवश्यक है जिसे सहज ही पालन करने वाला अपने लक्ष्य को पा जाता हैं चूॅकि माला के तीन प्रकार बताये गये है-करमाला, वर्ण माला एवं तीसरा-मणि माला।कर माला- का जाप करते समय अगुलियों के पौरों से निर्श्चित क्रम द्वारा क्रंमश: बढ़ते क्रम में माला के दानों को आगे बढ़ाने हेतु प्रयोग किया जाता है जिससे लम्बी अवधि के लिये साधना या मंत्र मंत्रजाप किया जाता है, कुछेक विदवान लम्बी अवधि के जाप का निशेष करते है। जब मंत्र जप हजारों लाखों की सॅख्या में करने हो तो माला करना कष्टप्रद होता है। कर माला का प्रयोग दैनिक जप में या छोटी सॅख्या के जप में किया जाता है, ऐसे साधकों के लिये कर माला करने बाबत शास्त्रों में नियम बताये गये है। अनामिता के मध्य भाग से नीचे की और दानों को गिनने, फिर कनिष्ठा के मूल से अग्रंवाल तक गिना जाता है

करमाला पर मंत्र जप के नियम- कर माला पर जप करते समय अंगुलिया परस्पर एक दूसरे से जुड़ी हुई रखने का विधान है न कि उन्हें अलग-अलग रखा जाये। हथेली को थोड़ा अन्दर की तरफ मुड़ा रखने तथा माला फेरते/जपते समय मेरू का उल्लघंन न किये जाने हेतु मध्यमा के दो पोर जिसे मेरू कहा है का ध्यान रखा जाये एवं माला करते समय पोरों की संधि का स्पर्श नही करें और हाथों को हृदय के सामने अंगुलियों को थोड़ी झुकाकर और वस्त्र ढ़ककर ही जप करें। दस की सॅख्या में किये जाने वाले जप की गिनती करने के लिये लाख अर्थात लक्ष, सिन्दूर और गौ के सूखे कण्डे-उपले का चूर्ण कर के इन सबके मिश्रण की गोलिया बनाकर इनसे गणना की जा सकती है। यहॉ यह विशेष ध्यान दिलाया गया है कि अक्षत, अंगुली, पुष्प, चन्दन, मिट्टी, कंकड आदि का प्रयोग गणना हेतु पूर्णतया वर्जित है, जिसे साधकों की सॅख्या अधिक होने पर उनके हाथ में कर माला न होने पर कुछेक स्थानों पर प्रयोग किया जाता है।

माला के 108 दानों का रहस्य- माला के दानों की सॅख्या 108 सम्पूर्ण ब्रम्हाड का प्रतिनिधित्व करती है एवं सूर्य की 21600 कलाओं का प्रतीक है। एक स्वस्थ्य मनुष्य 24 घन्टे में 21600बार सॉस लेता है , दिन के 24 घन्टों में वह 12 घन्टे अपने दैनिक कार्यो में व्यस्त होता है तथा शेष 12 घटे 10800 सॉस लेता है, इस प्रकार सूर्य भी एक वर्ष में दो बार स्थिति बदलता है और छह माह तक उत्तरायण और छह माह दक्षिणायन रहताहै जिसमें प्रत्येक स्थिति में वह छह माह में 10800 बार कलायें बदलता है। स्वस्थ्य मनुष्य के 12 घन्टे में ली गयी सॉस 10800 एवं सूर्य की छह माह एक स्थिति में बदली गयी 10800 कलाओं में हमारे ऋषिमुनियों ने इस सॅख्या के आखिरी तीन शून्य हटाकर 108 दाने निर्धारित कर किये है। माला का एक एक दाना सूर्य की एक-एक कला का प्रतीक है और साधक द्वारा जप करने पर वह साधक को सूर्य के समाज तेजस्वी बनाकर शक्ति संचार कर उसका कल्याण करते है। सूर्य जगत का एकमात्र साक्षात दिखने वाला देवता है इसी लिये उसकी कलाओं को आधार मानकर जप के लिये माला में 108 दानों को निर्धारित किया गया है।

साधक को 108 दानों की माला रखनी चाहिये जो पूर्ण मानी गयी हैं। कहीं-कहीं कुछेक अपवाद के रूप में कुछेक साधक 19, 36, 78 और 95 दाने की माला जप करते है जो कदापि नहीं करनी चाहिये। किसी भी प्रकार के मंत्र जाप के लिये 108 दाने की माला पूर्णरूप से आवश्यक है । माला के दोनों शिरों को जोड़कर वहॉ एक विशिष्ठ दाना अवश्य लगाना चाहिये उसे सुमेरू कहते है। सुमेरू के अभाव में माला निष्प्राण, व्यर्थ और निष्प्रभावी समझा जाता है। 108 की सॅख्या एक आध्यात्मिक तत्व है। जो अपने आप में रहस्यमय है। श्वास और प्रश्वास की क्रिया एक प्राकृतिक व्यवस्था है।यदि माला जपते समय साधक श्वास-प्रश्वास की गति को अनुकरण करते हुये प्रति श्वास पर एक मंत्र पढ़े और उसी के साथ एक दाना आगे से पीछे सरकाये तो 1 घन्टें मे 900 और 12 घन्टे में 10800 जप हो जायेगा। उपांशु जप से नियमानुसार यदि कोई साधक केवल 108 बार ही जप करता है तो उसे 10800 की सॅख्या का जप केवल 108 जप में शूद्रतापूर्वक करने के लिये 108 दाने की माला उपयोगी समझी जाती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सम्पूर्ण ब्रम्हाड को 12 भागों में विभाजित किया गया है। इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन है। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते है जिसमें इन ग्रहों की सॅख्या 9 एवं राशियों कीसॅख्या 12 में गुणा करने पर 108 की सॅख्या प्राप्त होती है, अत: ज्योतिष के आधार पर जप की माला के दाने 108 तय किये गये है। खगोल विज्ञान के मत से ही ब्रम्हाण्ड स्थित 27 नक्षत्रों के चरणों का स्पर्श करने के लिये 108 बार जप करना चाहिये। ऐसे जप से सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड में व्याप्त नक्षत्रीय क्षेत्र, वायुमण्डल से साधक का सम्पर्क हो जाता है। जबकि नक्षत्र के चार चरण होते है अत: 27 नक्षत्र 108 चरणों के माध्यम से ब्रम्हाण्ड का स्पर्श करने के लिये 108 बार की जप क्रिया करनी चाहिये, तभी जप सुविधापूर्वक सम्पन्न होती है जब माला में 108 दाने हो। यहॉ यह बतला देना आवश्यक है कि जप के पूर्व माला के सुमेरू पर मंत्र के अधिष्ठात्र देवी या देवता का ध्यानपूर्वक आवाहन कर लेना चाहिये, तभी सफलता निश्चित है।

देवी भागवत पुराण में अंक नौ का महत्व आध्यात्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण प्रभावशाली माना गया है। न जाने कितने पौराणिक वैदिक प्रसंग नौ अक से जुडे हुये है। ग्रहों की सॅख्या 9 है। नवार्ण मंत्र 9 है। नवरात्र के 9 दिन है।भगवती दुर्गा के भी 9 रूप है। कितने ही प्रसंग ऐसे है जिनकी सॅख्या में 18, 1800 या 18000 की प्रधानता है। गणना करके देखें तो स्पष्ट होता है कि सभी सॅख्याओं का मूल 9 अंक ही है और इसी के विस्तार से उपरोक्त सॅख्यायें निर्मित हुई है। इसी प्रकार विशेषण गणतीय सिद्धान्तों के आधार पर 108 की सॅख्या की माला के सन्दर्भ में सर्वश्रेष्ठ मानकर ''मनको'' की सॅख्या भी 108 रखी गयी है। माला में सूत के प्रयोग को लेकर भी बताया गया है कि वशीकरण में लाल रंग के सूत, शांति कर्म में सफेद-श्वेत वर्ग के सूत, अभिचार कर्म में कृष्ण वर्ग के काले सूत की माला लाभकारी है वही सभी प्रकार के ऐश्वर्य एवं सम्पत्ति प्राप्ति के लिये रेशमी सूत से बनी माला का प्रयोग करना बताया है। यहॉ कुछ विदवानों के मतानुसार ब्राम्हण वर्ग को श्वेत, क्षत्रिय वर्ग को रक्त, वेश्य वर्ग को पीत एवं शूद्र वर्ग को कृष्ण वर्ण के सूत्र की माला करना श्रेष्ठकर कहा है।

मणिमाला- मणिमाला अर्थात मनिया या मनकों से पिराई गयी माला मणिमाला कहलाती है इसके प्रयोग के सम्बन्ध में कहा गया है कि जिन साधकों को अधिक सॅख्या में जप करना हो तब उन्हें मणिमाला का प्रयोग करना उचित होगा। यह काला रत्न, रूद्राक्ष, तुलसी, चन्दन, शंख, कमलगट्टा, सुवर्ण, पुत्रजीवा के बीज, चान्दी, कृशमूल, स्फटिक, मोती, हल्दी, आदि पदार्थो की बनाई जाती है जिसमें वैष्णव तुलसी तथा शैव शाक्त रूद्राक्ष की माता को जप के लिये सर्वोत्तम मानते हैं। 108 मनकों के साथ 1 सुमेरू अलग होने का विधान है तथा जिस देवी-देवता की आराधना कर सिद्धि प्राप्त करना है उसके लिये अलग-अलग पदार्थो की माला प्रयोग का नियम है। चूॅकि मनकों की माला एवं जप के लिये अनेक प्रकार की सावधानियॉ एवं सिद्धि हेतु उपाय भी दिये गये है जिसमें माला के प्रयोग होने वाला धागा अगर ब्राम्हण की कुंवारी कन्या द्वारा सूत काटकर बनाने पर त्वरित सिद्धि देने वाला माना है वही रूद्राक्ष के दानों की माला बनाते समय मनके पिरोते समय रूद्राक्ष के मुंह और पुच्छ का ध्यान देने को भी चेताया गया है कि रूद्राक्ष में मुहॅ का भाग कुछ ऊॅचा होता है और पुच्छ भाग नीचा होता है, इसलिये इसकी माला बनाते समय रूद्राक्ष दानों के मुॅह से मुॅह और पुच्छ से पुच्छ मिलाने का नियम है।

मंत्र साधना और उससे सम्बन्धित जितनी भी क्रियायें और उपासनायें है वे सभी तांत्रिक संस्कृति के अंग है। तांत्रिक संस्कृति भारत की आदि संस्कृति है और तांत्रिक साधना है, आदि साधना। मंत्र तत्व , मंत्र शक्ति, मंत्र साधना आदि को समझने के लिये तांत्रिक संस्कृति , तांत्रिक साधना और साधक की, विषय की गंभीरता से परिचित होना आवश्यक है। विश्व में जितने भी धर्म प्रचलित है, जितनी भी उपासना की पद्धतियॉ आर्विभूत है उन सभी का मूत्रस्त्रोत संस्कृति की उपासना है। संस्कृति का अर्थ है मन और हृदय की वृत्तियों का संस्कार आभ्यंतरिक तत्व होता है। तांत्रिक संस्कृति का मूल सूत्र न धर्म है, न भाषा है और ही भौगालिक खण्ड है। वृत्तियों को उदात्त बनाना और सुधारने का जो भी कार्य है उसे साधक अपनाकर

संपादकीय

सीटों का तालमेल हर जगह नहीं होगा!

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मुंबई की बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा की। पहले दिन यानी 31 अगस्त को हुई अनौपचारिक बैठक में भी इस बारे में बातचीत हुई और एक सितंबर की औपचारिक बैठक में भी इस पर चर्चा हुई। चर्चा के बावजूद इस पर कोई फैसला नहीं हुआ क्योंकि कई राज्यों का मामला उलझा हुआ है। तभी बैठक के बाद जो प्रस्ताव मंजूर हुआ और जिसे मीडिया के सामने रखा गया उसमें कहा गया कि विपक्षी पार्टियां 'जहां तक संभव होगा वहां गठबंधन करेंगी'। इसका मतलब है कि कुछ जगहों पर सीटों का तालमेल नहीं भी हो सकता है। गठबंधन रहेगा, पार्टियां 'इंडिया' में बनी रहेंगी लेकिन चुनाव में सीटों का तालमेल करने की बजाय सीधा या दोस्ताना मुकाबला भी करेंगी। ऐसा जिन राज्यों में होगा उनमें सबसे अहम राज्य केरल है। कांग्रेस और लेफ्ट के बीच परफेक्ट तालमेल है। सीताराम येचुरी और डी राजा दोनों गठबंधन के साथ हैं। लेकिन केरल में दोनों के बीच तालमेल नहीं होगा। ध्यान रहे केरल की 20 में से 19 सीटें कांग्रेस के गठबंधन वाले यूडीएफ के पास हैं। सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ को सिर्फ एक सीट मिली है। सो, अगर दोनों के बीच गठबंधन होता है तो कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को अपनी जीती हुई नौ सीटें सत्तारूढ़ लेफ्ट गठबंधन के लिए छोड़नी होगी। दोनों गठबंधन इतने मजबूत हैं की वे इसके लिए तैयार नहीं होंगे। दूसरे, अगर दोनों एक हो जाते हैं तो मुख्य विपक्षी भाजपा होगी, जो अभी हाशिए की पार्टी है, लेकिन कांग्रेस-लेफ्ट के तालमेल के बाद बड़ी ताकत बन सकती है। ऐसे ही पश्चिम बंगाल में भी तालमेल मुश्किल है। वहां लेफ्ट पार्टियां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ नहीं जाना चाहती हैं। उनके पास वोट आधार नहीं है लेकिन फिर भी नेताओं को लगता है कि जब भी ममता बनर्जी की पार्टी कमजोर होगी और भाजपा जिस तरह से मजबूत हो रही है उसमें आगे लेफ्ट के लिए मौका बन सकता है। दूसरे, एक रणनीतिक स्थिति यह है कि अगर त्रिकोणात्मक मुकाबला नहीं होता है तो हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण से भाजपा को फायदा हो सकता है। सो, कांग्रेस और लेफ्ट मिल कर मुकाबले को त्रिकोणात्मक बना सकते हैं ताकि भाजपा को रोका जा सके। आम आदमी पार्टी को लेकर भी संशय आगे तक कायम रहेगा। कांग्रेस अंदरखाने दिल्ली और पंजाब में तालमेल का मन बना रही है लेकिन अरविंद केजरीवाल की पार्टी इन दो राज्यों से बाहर भी सीट चाहती है। दूसरे, इन दोनों राज्यों में केजरीवाल की पार्टी की ओर से कांग्रेस को जितनी सीटों का प्रस्ताव दिया जाना है उसे देखते हुए लग नहीं रहा है कि कांग्रेस आसानी से तैयार होगी। दिल्ली में कांग्रेस के कुछ नेता तीन सीट पर राजी होने की संभावना देख रहे हैं लेकिन आप की ओर से अधिकतम दो सीटों का प्रस्ताव दिया जाना है। इसी तरह पंजाब में कांग्रेस आठ सीट लड़ना चाहती है, जबकि आप चाहती है कि वह आठ सीट लड़े।

विशेष सत्र क्या चुनावी इवेंट?

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की भाजपा का अर्थ हैं इवेंट क्रिएट पार्टी? सूखे तालाब की भी भरेपूरे बांध की झांकी बना डालना। हर मौके, बड़ी घटना को इवेंट में बदल देने का नाम भाजपा। प्रधानमंत्री विदेश जाते हैं तो उसे इवेंट बनाया जाता है। एयरपोर्ट के बाहर प्रवासी भारतीयों से नारे लगवाए जाते हैं। प्रधानमंत्री विदेश से लौटते हैं तो हवाईअड्डे पर हजारों लोगों को लेकर जेपी नड्डा इवेंट क्रिएट करते हैं। चंद्रयान-दो पूरी तरह से सफल नहीं हुआ तब भी इसरो के वैज्ञानिकों के आंसू पोंछने का इवेंट हुआ तो चंद्रयान-तीन की सफलता पर खुशी के आंसू बहाने का इवेंट हुआ। तभी जी-20 की बैठक महा इवेंट है। इसलिए इसकी शान में लगता है कि 18 से 22 सितंबर का विशेष सत्र भी एक इवेंट होगा। इसके आगे भी एक के बाद एक इवेंट। ताकि लोकसभा चुनाव तक लगातार इवेंट्स को देख जनता गद्गद भाव सोचे कि नरेंद्र मोदी के अलावा दूसरा है कौन?

यह संभवत: पहली बार है कि संसद के विशेष सत्र को बुलाने की घोषणा हुई लेकिन एजेंडा नहीं बताया गया। पहले भी संसद के विशेष सत्र होते रहे हैं। भारत छोड़ो आंदोलन के 50 साल पूरे होने पर, संविधान के 70 साल होने पर या जीएसटी लागू करने पर विशेष सत्र बुलाया गया था। लेकिन तब सबको विशेष सत्र का एजेंडा पहले से पता था। इस बार संसदीय कार्य मंत्री ने सिर्फ इतना कहा है कि पांच दिन का विशेष सत्र होगा और अमृतकाल में सार्थक चर्चा की उम्मीद है। अमृतकाल में सार्थक चर्चा का क्या मतलब निकाला जाए? अभी 11 अगस्त को संसद का मानसून सत्र खत्म हुआ। पर उसमें तो कोई सार्थक चर्चा नहीं हुई! मणिपुर जैसे ज्वलंत मुद्दे पर प्रधानमंत्री का बयान कराने के लिए विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा था। मतलब मानसून सत्र की 17 बैठकों में जब सार्थक चर्चा नहीं हुई तो पांच बैठकों में क्या सार्थक करना है?

सार्थक चर्चा के नाम पर बुलाई गई विशेष बैठक को लेकर सबके अपने अपने अनुमान हैं। लेकिन सबसे सटीक अनुमान यही है कि सरकार को इवेंट क्रिएट करना है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से 2047 तक विकसित भारत और उसके बाद एक हजार साल के भव्य भारत की घोषणा की हुई है। सो भव्य भारत पर चर्चा कराई जा सकती है। इसका एक मकसद घरेलू और वैश्विक उपलब्धियों का डंका बजाना है। जी-20 की सफलता और चंद्रयान-तीन की सफलता को लेकर प्रधानमंत्री की जय-जयकार करनी है। उनको विश्वगुरू, विश्वमित्र या विश्वपिता की उपाधि से सम्मानित करना है। चूंकि नवंबर में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए उससे पहले ऐसा इवेंट करना है, जिसकी गूंज इन पांचों राज्यों में सुनाई दे। ध्यान रहे नवंबर के अंत तक इन राज्यों के चुनाव चलेंगे इसलिए संभव है कि संसद का शीतकालीन सत्र देरी से हो। पिछले साल भी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव की वजह से संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर को शुरू हुआ था। इस साल तो पांच राज्यों के चुनाव हो रहे हैं इसलिए शीतकालीन सत्र में देरी स्वाभाविक होगी। उससे पहले विशेष सत्र बुला कर उपलब्धियों का गौरवगान एक चुनावी रणनीति हो सकती है। चूंकि सरकार ने एजेंडा नहीं बताया है इसलिए अटकले है। अगर अटकलों की बात करें तो कोई बड़ा विधायी काम हो सकता है। सरकार कोई ऐसा बिल ला सकती है, जो पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए मास्टरस्ट्रोक की तरह हो। मिसाल के तौर पर महिला आरक्षण विधेयक हो सकता है। पिछले कुछ समय से सारे फैसले महिलाओं को लेकर किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इसरो में महिला शक्ति को नमन किया तो रक्षाबंधन के मौके पर बहनों को तोहफा देने के लिए रसोई गैस सिलिंडर पर दो सौ रुपए की कमी की गई। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहन योजना चला रहे हैं तो पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस ने गृह लक्ष्मी योजना शुरू की। संसद का विशेष सत्र ऐसे समय में हो रहा है, जब देश के बड़े हिस्से में गौरी-गणेश की पूजा होती है। सो, महिला बिल एक दांव हो सकता है। कांग्रेस ने इस बिल को लोकसभा में पास कराया था। राज्यसभा में वह अटका। सरकार ने सदन में इसे पास कराया तो स्वभाविक को कांग्रेस को समर्थन करना होगा जबकि महिला आरक्षण विरोधी मंडलवादी याकि लालू, नीतिश, अखिलेश जैसी पार्टियां विरोध करेगी। जाहिर है सरकार को महिला आरक्षण से इंडिया एलायंस में फूट पडने का विश्वास होगा तो महिलाओं की अखिल भारतीय वाहवाही मोदी के खाते में। दूसरी अटकल देश की संसदीय प्रणाली को बदल कर अध्यक्षीय प्रणाली बनाए जाने का बिल लाने की हैं। लेकिन यह भी पुरानी अटकल है। इसके अलावा आरक्षण या आरक्षण के भीतर आरक्षण का दांव भी चला जा सकता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने जस्टिस रोहिणी आयोग का गठन किया था, जिसने छह साल के बाद अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। इस रिपोर्ट के आधार पर अत्यंत पिछड़ी जातियों के लिए अतिरिक्त आरक्षण की घोषणा हो सकती है।

बांग्लादेश कही पटरी से नीचे न उतर जाए!

श्रुति व्यास

जहाँ तक हालिया वर्षों में हुई आर्थिक तरक्की का सवाल है, बांग्लादेश की कोई सानी नहीं है। हालिया विकास यात्रा अद्भुत और बेहतरीन है। सन् 1971 में तीसरे भारत-पाकिस्तान युद्ध से जन्में बांग्लादेश को हैनरी किसिंजर ने द बास्केट केस (एकदम घटिया) बताया था। बांग्लादेश के बारे में तब माना गया कि वह एक नाकाम मुल्क बनकर रह जाएगा। मगर इस धारणा को झुठलाते हुए बांग्लादेश ने एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र, कम संसाधनों के साथ सामाजिक विकास के मॉडल और दक्षिण एशिया का सबसे तेज आर्थिक विकास दर वाला देश बनकर दिखाया है। इस शानदार सफ़र का श्रेय देश की लौह महिला मानी जाने वाली शेख हसीना को है। उनके दो दशकों के राज में 17 करोड़ की आबादी वाले इस देश ने 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की जीडीपी वृद्धि दर के साथ गरीबी हटाने की दिशा में देखने लायक प्रगति की। पचहत्तर साल की शेख हसीना के नेतृत्व में उनकी आवामी लीग पार्टी ने लगातार तीन चुनाव जीते है। उन्हें पूरा भरोसा है कि 2024 के शुरू में होने वाले अगले चुनाव में भी उनकी जीत होगी। लेकिन बांग्लादेश की जनता का मूड कुछ और ही इशारा कर रहा है। पर्दे के पीछे शेख हसीना राजनैतिक जमावट का ऐसा अभियान चला रही हैं जिसका लक्ष्य विपक्षी नेताओं, विश्लेषकों और कार्यकर्ताओं के अनुसार, आने वाले चुनाव में इस दक्षिण एशियाई गणतंत्र का एक पार्टी वाले देश में कनवर्ट होना है। अपने 14 साल के कार्यकाल में हसीना ने अपने वफादारों को नियुक्त करके देश की प्रमुख संस्थाओं जैसे पुलिस, सेना और अदालतों पर अपना कंट्रोल स्थापित कर लिया है। मैसेज एकदम साफ़ है- जो उनका विरोध करेगा उसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। ऐसा लगता है कि शेख हसीना को उनका विरोध करने वाले और उनसे बेहतर नजर आने वाले बर्दाश्त नहीं होते। इसलिए विभिन्न संस्थाओं में हस्तक्षेप कर उन्हें इस प्रकार चलाया जा रहा है कि असहमति को कुचल दिया जाए। उन्होंने अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ बदले की कार्यवाही की है। वे किसी को भी नहीं बख्शतीं। यहां तक कि 2006 के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहमम्द यूनुस को भी नहीं, जिनके ज़मीनी स्तर पर विकास कार्यों से देश मज़बूत बना और आर्थिक, सामाजिक व स्वास्थ्य के क्षेत्रों में उसकी स्थिति बेहतर हुई। हसीना अपने चुनावी भाषणों में यूनुस पर तीखे हमले कर रही हैं। उन्होंने युनुस को भ्रष्ट, गरीबों का खून चूसने वाला और राष्ट्र-विरोधी बताया है। कहा है कि वे बंगाल की खाड़ी पर अमेरिका का नियंत्रण स्थापित करने में मदद कर रहे हैं। इस बीच विपक्षी बीएनपी ङ्क बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ङ्क के 800 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। विपक्षी दल का दावा है कि सन् 2009 से लेकर अब तक उसके नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 40 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। लगभग प्रतिदिन विपक्षी दलों के नेताओं, सदस्यों और समर्थकों को अदालतों में हाजिरी लगानी होती है। उन्हें अस्पष्ट आरोपों और झूठे सबूतों का सामना करना पड़ता है। ह्यूमन राईट्स वॉच ने इसे विपक्ष पर 'सुनियोजित हमला' बताया है। बीएनपी की एक रैली में उसके कार्यकर्ताओं को आंसू गैस और रबर की गोलियों का सामना करना पड़ा। शेख हसीना सत्ता पर अपना हक समझती हैं। उनका अरमान मरते दम तक गद्दी पर काबिज़ रहने का है। उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान, जो बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री थे, अपने प्राय: सभी नजदीकी रिश्तेदारों के साथ सन् 1975 में हुए सैन्य तख्तापलट में मारे गए थे। एक साक्षात्कार में जब हसीना से न्यायपालिका के जरिए विपक्ष को प्रताड़ित किए जाने के आरोपों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे जो कर रही हैं वह राजनीतिक नहीं है।यह कहते हुए उन्होंने अपने सहायक को भेजकर एक फोटो एलबम बुलवाया। इस एलबम में आगजनी, बम विस्फोटों और अन्य हिंसक घटनाओं में मारे गए लोगों की क्षत-विक्षत लाशों की भयावह तस्वीरें थीं। इन तस्वीरों की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने उन्हें बीएनपी की निर्दयता का नमूना बताया। उन्होंने कहा, उनके (बीएनपी) साथ जो हो रहा है वह उनके पापों का नतीजा है। शुरुआत उन्होंने की है।

समीक्षा : दरकते संबंधों की पड़ताल करती लघु कथाएं

रणविजय राव

अपने समय में कथा सम्राट प्रेमचंद ने कथा साहित्य में उद्देश्यपरकता पर विशेष जोर दिया था। उन्होंने सोद्देश्य लेखन का नारा देकर साहित्य को समाज से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। तब से सामाजिक यथार्थ के कड़वे, मीठे सच को साहित्य की प्राय: हर विधा में परोसने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह अभी भी जारी है। लघु कथा विधा को भी इसी कड़ी में रखा जा सकता है। अपने छोटे कलेवर में बड़े सामाजिक प्रश्नों को पाठकों के समक्ष रखने का अद्भुत प्रयास दिखाई देता है इस विधा में।

इसी संदर्भ में हालिया प्रकाशित लघु कथा संग्रह खिड़की को भी देखा जा सकता है जिसे लिखा है वरिष्ठ कवयित्री और कथाकार यशोधरा भटनागर जी ने। संस्मय प्रकाशन से प्रकाशित इस संग्रह में नवासी लघु कथाएं संकलित हैं और प्राय: सभी कथाओं में सामाजिक विसंगति, समाज के अंतर्विरोध, मानवीय मूल्य, समाज का वर्ग चरित्र, मानवीय रिश्तों एवं संबंधों का क्षरण साफ-साफ दिखाई देता है। कह सकते हैं कि यशोधरा जी का यह लघु कथा संग्रह दरकते मानवीय संबंधों एवं बदलते सामाजिक स्वरूप का कच्चा चिट्ठा है।

बढ़ते बाजारवाद और उपभोक्तावाद के दौर में हमारे जीवन मूल्य जैसे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में उन्हीं चीजों की महत्ता शेष बची दिखाई दे रही है जो बाजार एवं व्यापार के मार्ग में सहायक हैं। और जो अवरोधक हैं उन्हें ठोकर मार कर रास्ते से हटा दिया जा रहा है। ऐसा इसीलिए है कि विकास एवं सारी दुनिया को मुट्ठी में कैद कर लेने की मानसिकता

से उपजी अवधारणा के केंद्र में न मनुष्य है और न ही मानवीयता। बदलाव की इस विवशता और व्यापकता को यशोधरा जी ने अपने नजरिए से देखने की सार्थक कोशिश की है।

बाजारवाद एवं उपभोक्तावाद की इसी मानसिकता के कारण तीरथ कथा में तीरथ कराने के नाम पर बेटा गांव की अपनी अनपढ़ मां के हिस्से की जमीन को चुपचाप बेच देता है और तीरथ के लिए ले जाते हुए उसे बीच सड़क पर छोड़ भाग जाता है।

इसी तरह से घंटी नामक लघुकथा में सड़क पार रहने वाले बेटा-बहू भूल कर भी अपनी अम्मा के पास झांकने तक नहीं आते। मंदिर में संध्या वंदन के समय जब घंटी बजाती हैं तो उन्हें भी कहीं न कहीं बजने का एहसास होता रहता है। हारी-बीमारी झेलती अम्मा के पास बिटिया का फोन जरूर आ जाता है जिससे अम्मा अपना सुख-दुख बांट लेती हैं।

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी ने तो जैसे हमारे पहले से ही दरकते पारिवारिक, सामाजिक संबंधों को और हवा दे दी है। लगता है जैसे हमारे बेहद आत्मीय एवं खून के रिश्ते भी क्वॉरेंटाइन होते जा रहे हैं। संग्रह में करीब सात लघुकथाएं कोरोना विपदा पर ही आधारित हैं।

परिवार में, समाज में बुजुर्गों की दुर्दशा पर भी कई लघुकथाएं हैं। परिवार के बड़े-बुजुर्गों को भी नई पीढ़ी 'डस्टबिन' समझ रही है, जबकि वे हमारे विकास का, हमारे संस्कार एवं हमारे जीवन का आधार हैं। उन्हीं के त्याग पर टिका है हमारा वर्तमान। बदलते सामाजिक परिवेश में नई पीढ़ी यह सब नहीं समझ रही है जो की चिंता की बात है।

यशोधरा जी की अंतर्दृष्टि बहुत गहरी है और नजर बिल्कुल पैनी। निर्जीव वस्तुओं के माध्यम से भी वह हमारे समाज में एवं आसपास परिवेश में व्याप्त विसंगतियों एवं अंतर्विरोधों को भांप लेती हैं। 'ढोल', 'कबाड़', 'डस्टबिन', 'घड़ी', 'हलवा', 'मटके', 'सर्कल', 'बूट', 'आंगन', 'चार दीवारें', 'फोल्डर', 'ब्रिज', 'तारा', 'पोखर', 'घंटी', 'पराली', 'माटी', 'चूल्हा', 'रोटी', 'घर' जैसी कुछ अन्य लघु कथाओं को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है।

संग्रह की कथाओं को व्यक्ति विशेष के अंतर्मन के भाव एवं विचारों के आत्मालोचन की अभिव्यक्ति के रूप में भी देखा जा सकता है। उन्नत तकनीक किस तरह मनुष्य को संवेदना से दूर करती हुई अमानवीय बनाती जा रही है, इन कथाओं को पढ़ने से यह बात स्पष्ट हो जाती है। स्वार्थ भाव के कारण सिमटते जा रहे रिश्तों की करुण व्यथा की दुनिया में अंतर्मन की खिड़की से झांकने की सार्थक कोशिश है यह संग्रह।

कुल मिलाकर संग्रह में संकलित लघु कथाओं के माध्यम से वृहद संदेश देने की एक सफल कोशिश दिखती है। यह समय की नब्ज को टटोलने वाला संग्रह है। नब्ज़ टटोलते समय कथाकार का ईमानदार प्रयास साफ-साफदिखाई देता है। लघु कथा की सीमा के भीतर अपने समय को उसकी पूर्णता में देखने का प्रयास बेहद सार्थक है। भाषा, शिल्प और कंटेंट बेजोड़ हैं और मानसिक वेदना को शब्दों में बहुत ही खूबसूरती से ढाला है यशोधरा जी ने।

यशोधरा भटनागर जी को हार्दिक बधाई और बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

समीक्षक ---
रणविजय राव
717, लक्ष्मीबाई नगर,
नई दिल्ली-110023

पुस्तक - खिड़की (लघुकथा संग्रह)
लेखिका - यशोधरा भटनागर
मूल्य - 220 रु. मात्र
प्रकाशक - संस्मय प्रकाशन
8,सीएससी, ए डी ब्लॉक
शालीमार बाग, नई दिल्ली-88

सार-समाचार

कामता स्कूल मे कृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया गया

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट : शासकीय प्राथमिक शाला कामता में कृष्ण जन्माष्टमीपर्व पर स्कूल के बच्चों द्वारा भगवान कृष्ण के नटखट, मस्त मौला बालपन, मनमोहक बांसुरी वादन, योद्धा एक सुंदर नर्तक, आदि का प्रदर्शन कर सभी लोगों का दिल जीत लिया साथ ही हांडी फोड़ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी सभी ने भूरी भूरी प्रशंसा की प्रधान पाठिका श्रीमती मनीषा वर्मा ने बच्चों के द्वारा की गई प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि हम अपनी भारतीय संस्कृति कला व धर्म का संरक्षण तभी कर सकते हैं ,जब हम इन बच्चों में ऐसी भावना जागृत करने हेतु इस प्रकार का कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती मीनाक्षी देवांगन ,रिचा बाला गुप्ता ,अशोक कुमार देवांगन एवं अतीश कुमार साहू का विशेष योगदान रहा।

8, 9 एवं 12 सितम्बर को निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा /जिला आयुष विभाग अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद औषधालय हथबंद, कसडोल एवं परसाडीह द्वारा विकासखण्ड स्तरीय एक दिवसीय प्रथम आयुष शिविर का आयोजन 8 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिमगा, 9 सितम्बर को मिनिमाता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कसडोल एवं 12 सितम्बर को शुकवारी बाजार वार्ड क्रमांक 15 नगर पंचायत बिलाईगढ़ में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जायेगा। आयुष चिकित्सा पध्दतियों एवं उनके सिध्दांतो द्वारा बार-बार सर्दी, खांसी होना,नये पुराने रोग वातरोग, उदररोग,अर्श, बवासीर, भगंदर, श्वासरोग, स्त्रीरोग, चर्मरोग, लकवा, पीलियां, पुराने टायफाईट झिनझिनी वातरोग गैस्टींग भूख न लगना, बाल झड़ना एवं पकना नींद नहीं आना आदि बीमारियों का आयुर्वेदिक चिकित्सा पध्दति द्वारा दिनचर्या, ऋतुचर्या, रात्रिचर्या योग व आसन आदि का पालन करके सेहत को बेहतर बनाने हेतु तथा विभिन्न नये व पुराने सभी बिमारियों की चिकित्सा हेतु नि:शुल्क चिकित्सा निदान परामर्श एवं औषधि वितरण की जायेगी। शिविर में भाग लेने के लिए परिचय पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड साथ में लेकर आना अनिवार्य है। उक्त जानकारी जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ.एल.एस ध्रुव के द्वारा दी गयी है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के एक लाख से अधिक लोगों ने संकल्प पत्र भरकर शत-प्रतिशत मतदान का लिया संकल्प

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिले में विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए भी लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा मतदाताओं का नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत विशेष अभियान चलाया गया। अभियान में जिले के 1 लाख से अधिक लोगों ने संकल्प पत्र भरकर शत प्रतिशत मतदान का संकल्प लिया। साथ ही मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, मताधिकार का प्रयोग, निर्भिक एवं निष्पक्ष होकर मताधिकार उपयोग करने का संकल्प लिया। इसके अलावा अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। अभियान के तहत संकल्प पत्र विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को दिया गया था। संकल्प पत्र को विद्यार्थियों के द्वारा उनके माता-पिता, भाई-बहन व परिवार के समस्य वयस्क सदस्यों को देकर मताधिकार का उपयोग करने संकल्प पत्र भरवाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों के परिजनों एवं मतदान के लिए पात्र अन्य लोगों ने भी अभियान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हुए संकल्प पत्र भरा।

अभाविप नगर इकाई सिमगा के छात्राओं ने मंदिर हसौद रेप कांड के आरोपियों फांसी की सजा के मांग करते हुए पुतला दहन व ज्ञापन सौपा

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा। रक्षाबंधन के मौके पर रायपुर से सटे मंदिर हसौद क्षेत्र में दो बहनों से गैंगरेप की घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सिमगा इकाई के कार्यकर्ताओं ने विरोध व्यक्त करते हुए प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जाहिर की है छात्राओं का आरोप है कि असामाजिक तत्वों के हौसले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं जिसमें दिनदहाड़े रेप और हत्या की घटनाओं में इजाफा हो रहा है तथा ऐसी घटनाएं उनके साथ हो सकता है

घटना के विरोध में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम अनु विभागीय दंडाधिकारिय को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि महिला उत्पीड़न की घटना बढ़ती जा रही है जिससे शासन प्रशासन रोकने में नाकाम रहा है लगातार हो रही घटनाओं से अपराधियों हौसले का अंदाजा लगाया जा सकते हैं समस्त घटनाओं के कारण प्रदेश के सामान्य और आम लोग कई तरह के मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं अभाविप सिमगा ने

मांग करते हुए कहां की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा अपराधियों पर सख्त एवं त्वरित कार्यवाही करने के लिए एक ठोस कदम उठाना जरूरी है अभावीप सिमगा के समस्त कार्यकर्ताओं के साथ छात्रावो ने बलात्कारियों का पुतला फूंका तथा अनुविभागीय दंडाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौपा

छात्रावो ने आरोप लगाया की प्रदेश में रेप और महिलाओं पर हिंसक घटनाएं सिलसिलेवार से हो रही है ऐसी स्थिति में बेटियां और बहुत सुरक्षित नहीं है7 यामिनी शर्मा एवं स्मृति चौबे ने बताया कि प्रदेश मे ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही है जिसे हम जिसे हम विरोध करते हैं प्रदेश में हो रहे घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करते हैं तथा सरकार से अपील करते हैं कि आरोपियों पर सख्त एवं त्वरित कार्यवाही हो तथा राज्य सरकार महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें

इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष राम देवांगन अध्यक्ष दीपक साहू , नगर मंत्री शेखर देवांगन, अंकित ताम्रकार, जिला सहसंयोजक स्मृति चौबे ,नगर सहमंत्री व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पोषण लाल साहू, प्रखर देवेंद्र भोसले नगर उपाध्यक्ष यामिनी शर्मा, शेखर साहू ,लखन जी रावत, सह कार्यालय मंत्री वेद प्रकाश, कोषाध्यक्ष दीपक वर्मा, हर्ष तंम्बोली,समीक्षा चौबे, जया जोगी,आशा भारती, रीना सोनकर प्रिया शर्मा, अनुष्का साहू, विक्रम साहू ,कविता रात्रे, अजय साहू , अश्वनी साहू, मोनिका साहू, टिकेश्वरी साहू, भुवनेश्वरी रात्रे तिलेश्वरी कुर्रे , भूमिका निषाद ,देवकुमारी विश्वकर्मा, लक्ष्मी वर्मा ,खुशबू चौहान, पायल साहू , प्रियंका साहू ,मीनाक्षी साहू ,कल्याणी निषाद, मधु साहू , स्नेह लता साहू, डोमेश्वरी साहू, तोमेश्वरी साहू, आरती ध्रुव, मनीष वर्मा, उषा साहू, पिंकी साहू ,वंदना यादव, रितु निषाद, पूर्णिमा साहू, पीतांबर निषाद,हिमांशु देवांगन,कोहिनूर साहू आदि।

थाना सिमगा पुलिस द्वारा अवैध रूप से बिक्री हेतु शराब परिवहन करने वाले 02 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया

संवाददाता चंद्रप्रकाश टोंडे । जप्ती:- 135 पाव देशी मदिरा मसाला जुमला 24.300 बल्क लीटर कीमती 14850 रूपये एवं मो.सा. जुपीटर स्कूटी क्र छत्त22ङ्घ0431 कीमत 50,000 रूपये।*

पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के आदेशानुसार श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा एंव श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भाटापारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना सिमगा के मार्ग दर्शन में समस्त अधिकारी/कर्मचारी को थाना क्षेत्रांतर्गत अवैध रूप से शराब बिक्री एवं परिवहन करने वाले के विरूद्ध सक्त कार्यवाही करने का दिशा निर्देश दिया गया था जिसके तारतम्य में दिनांक 06/09/2023 को थाना सिमगा के उप निरीक्षक किशुन कुमार कुम्भकार एवं हमराह स्टाफ के जुर्म जरायम पतासाजी एवं पेट्रोलिंग दौरान जरिये मुखबिर सूचना पर 01 जय किशोर बांधे पिता स्व ठाकुर किशोर बांधे उम्र 21 साल साकिन नयापारा सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ0ग0 02. भोला पात्रे पिता स्व राजाराम पात्रे उम्र 19 साल साकिन ग्राम बछेरा

थाना सिमगा जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ0ग0 का रहने को अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब बिक्री करने के लिए परिवहन करते हुए रायपुर रोड तिल्दा 0ओव्हर ब्रिज के पास सिमगा एनएच 30 के पास पकडे जिसके कब्ज से एक सफेद रंग की जुपीटर स्कूटी क्रमांक छत्त22ङ्घ0431 अनुमानित कीमत 50,000 रू एवं 135 पाव देशी मंदिरा मशाला शराब जुमला 24.300 बल्क लीटर कीमती 14850 रूपये को जप्त कर आरोपीगण जय किशोर बांधे व भोला पात्रे के विरूद्ध धारा 34(2 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर माननीय न्यायायल के आदेश पर उप जेल बलौदाबाजार भेजा गया है।*

-: *सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक मंजूलता राठौर थाना प्रभारी सिमगा के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक किशुन कुमार कुम्भकार, आर. विरेन्द्र सिंहा, बब्बू साहू व थाना स्टाफ का विशेष योगदान है।

अब बायोमेट्रिक आधारित होगी धान खरीदी, समिति में पंजीयन कराना अनिवार्य

गरियाबंद। विपणन वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रणाली लागू की गई है। जिसमें किसान अपना बायोमेट्रिक आधार (अंगूठा लगाकर) धान विक्रय कर सकते है। नवीन पंजीयन एवं पंजीयन में संशोधन हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक निर्धारित किया गया है। कृषकगण अपना पंजीयन कार्य निर्धारित तिथि के पूर्व अपने संबंधित समिति में जाकर पूर्ण करा लेवें, जिससे धान, मक्का, मूंग, उड़द, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी, के समर्थन मूल्य में विक्रय तथा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार का कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान कोई असुविधा न हो इसके लिए उनके परिवार या रिश्तेदारों को नामिनी बनाने की सुविधा प्रदान की गई है। जिसके आधार पर स्वतः उपस्थित होकर या उनके नामिनी के द्वारा धान का विक्रय किया जा सकेगा। नामिनी के रूप में किसान अपने परिवार के नामित सदस्य माता, पिता, पति पत्नि, पुत्र, पुत्री, चाचा, चाची, भाई, बहन, दामाद, पुत्रवधु, पोता, पोती को अपने नामिनी के रूप में पंजीयन करा सकते हैं। किसानों को बायोमेट्रिक के माध्यम से धान बेचने में कोई समस्या न हो तथा धान विक्रय सुचारू रूप से हो सके इसके लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों - कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है।

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार धान, मक्का, मूंग, उड़द, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी, के समर्थन मूल्य पर विक्रय तथा राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ लेने के लिए एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है। इस वर्ष भी पूर्व में पंजीकृत कृषकों को नवीन पंजीयन कराने की आवश्यकता नही होगी, लेकिन कृषक को अपने परिवार के एक सदस्य को नामिनी घोषित करते हुए नामिनी फार्म भरकर समिति में जमा कराना होगा ताकि समिति द्वारा पंजीयन को कैरीफारवर्ड किया जा सके। यदि कोई कृषक प्रथम बार धान विक्रय करना चाहता है तो उन्हे नवीन पंजीयन फार्म (प्रपत्र - 01) के साथ ऋण पुस्तिका, बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति संबंधित सहकारी समिति में जमा कराना आवश्यक होगा। यदि पंजीकृत किसान फसल एवं रकबें में संशोधन कराना चाहता है तो संशोधन फार्म (प्रपत्र - 02) एवं उक्त आवश्यक दस्तावेज संबंधित समिति में जमा करना आवश्यक है, तथा अन्य व्यक्तिगत जानकारी में संशोधन हो तो संशोधन फार्म (प्रपत्र-03) भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने क्षेत्र के ग्रा.कृ.वि.अधिकारी या विकासखण्ड के व.कृ.वि. अधिकारी के कार्यालय में आवेदन कर सकते है।

छुरा में दिव्यांगजन प्रमाणीकरण शिविर का हुआ आयोजन

गरियाबंद। विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों सहित अन्य दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य जांच, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने तथा सहायक उपकरण वितरण के लिए छुरा में आज विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांगजन प्रमाणीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य जांच कर उन्हें विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा भी शामिल हुए। उन्होंने शिविर में आये बच्चों से बात कर उनका हाल-चाल जाना। साथ ही अच्छे स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, श्रवण यंत्र सहित अन्य उपकरण प्रदान किया। शिविर में 75 दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। साथ ही 07 को मेडिकल उपकरण और 137 दिव्यांगजनों का अन्य स्वास्थ्य जांच किया गया। इस प्रकार शिविर में कुल 219 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया। शिविर में नेत्र दिव्यांगता के 13, हड्डी के 29, मानसिक के 16, नाक-कान-गला के 11 एवं सिकलिन के 6 दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किये गये।

शिविर में दिव्यांगजनों को समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति, श्रवण यंत्र उपकरण सहित शिक्षा विभाग द्वारा छात्रवृत्ति, खाद्य विभाग द्वारा नि:शक्तजन राशन कार्ड एवं अन्य शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

जिले की स्व सहायता समूह की महिलाओं ने किया कमाल

गरियाबंद। जिले की स्वसहायता समूह की महिलाओं ने धान, गोबर, मोती, बीज, बांस एवं रत्नजड़ित कलात्मक राखियों का निर्माण कर कमाल किया है। रक्षाबंधन त्यौहार पर महिलाओं द्वारा निर्मित राखी की 4 लाख 10 हजार रूपये से अधिक की बिक्री हुई है। जिला प्रशासन गरियाबंद की विशेष पहल से रक्षाबंधन त्यौहार के लिए महिलाओं द्वारा पैरी बंधन नाम से देशी राखी बनाया गया था। महिलाओं द्वारा बनाये गये देशी राखियों की डिमांड काफी अधिक रही। साथ ही लोगों ने बढ़चढ़ कर देशी राखियों को खरीदने में रूझान दिखाया। इसके फ्लस्वरूप महिलाओं द्वारा बनाये गये देशी और कलात्मक राखियां 4 लाख 10 हजार रूपये से अधिक की बिकी। इतने अधिक राशि की राखी बिक्री से समूह की महिला सदस्यों को काफी मुनाफा हुआ है। साथ ही पैरी बंधन राखियों की पहुंच जन-जन तक हुई है। इस दौरान जिले के पांचो विकासखण्ड के 22 समूहों की महिलाओं ने 41 हजार 230 राखियों का निर्माण किया। विकासखण्ड छुरा की 6 समूहों द्वारा 15 हजार 560, फिंगेश्वर की 5 समूहों द्वारा 10 हजार 600, गरियाबंद की 4 समूहों द्वारा 6 हजार 900, मैनपुर की 4 समूहों द्वारा 5 हजार 600 एवं विकासखण्ड देवभोग की 3 महिला समूहों द्वारा 2 हजार 570 राखियों का निर्माण किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में बड़े एवं बच्चों की कलात्मक पैरी राखियां का विविध कलाकृतियों के माध्यम से बड़े स्तर पर निर्माण किया गया। महिला समूहों द्वारा निर्मित राखियों के बिक्री के लिए गरियाबंद शहर स्थित सी-मार्ट और संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में भी स्टॉल लगाया गया था। इसके माध्यम से लोग आसानी से राखियों की खरीदी किये। महिला स्व-सहायाता समूह की दीदियां द्वारा राखी तैयार करने में अनाज, धान, चावल, दालों के अलावा कुमकुम, मौली धागा का उपयोग किया गया था। समूह की दीदियों द्वारा बड़े पैमाने पर रत्नजड़ित, मोती, गोबर, बांस से भी राखी बनाई गई। इन राखियों की गरियाबंद एवं राजधानी रायपुर तक काफी मांग रही। महिला स्व-सहायता समूहों को राखी तैयार करने से लेकर बाजार उपलब्ध कराने तक में जिला प्रशासन द्वारा मदद किया गया। इन इको फ्रेंडली राखियों की कीमत 30 रूपये से लेकर 250 रूपये तक रखी गई थी। समूह की दीदियों को जिला प्रशासन द्वारा स्वावलंबी बनाने की दिशा में सशक्त प्रयास किया गया। पैरी बंधन के नाम से राखियां विभिन्न स्लोगनों जैसे बंधन नेह का, बहनों के स्नेह का, पुनीत बंधन, बढ़ेगा गौधन, आओ बच्चों बांधे, पैरी का पवित्र रक्षा सूत्र, बच्चों का हाथ, पैरी बन्धन के साथ, मोतियों से बंधा, पैरी का अटूट बंधन, रत्नों से जड़ा, पैरी का अटूट बंधन के साथ इस पैरी बंधन अभियान को चलाया गया।

चयनित युवाओं के सम्मान में समारोह का आयोजन

एमआर क्लासेस के 18 विद्यार्थियों का चयन भारतीय सेना में

राजनांदगांव। शहर के जिला चिकित्सालय पीछे स्थित साहू भवन बसंतपुर में एमआर क्लासेस के 18 विद्यार्थियों का चयन भारतीय सेना के विभिन्न पदों पर हुआ है। विगत दिनों संस्था में भारतीय सेना में चयनित सभी 18 विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अधीक्षक जिला जेल राजनांदगांव श्री अक्षय सिंह राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संयोजक अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला साहू संघ यशवंत साहू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। मुख्य अतिथि अधीक्षक जिला जेल राजनांदगांव श्री अक्षय सिंह राजपूत ने भारतीय सेना में चयनित सभी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है। सफल होने के लिए निरंतर प्रयत्न और कड़ी मेहनत करने की आवश्यता होती है। उन्होंने युवाओं को शासकीय सेवाओं में चयन होने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कड़ी मेहनत के साथ नियमित समाचार पत्र पढ़ने, देश-विदेश, राज्य तथा आस-पास घटित होने वाली घटनाओं की जानकारी रखने कहा। जिसकी की उनके समसामयिक ज्ञान में वृद्धि होते रहे। विशिष्ट अतिथि संयोजक अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला साहू संघ श्री यशवंत साहू ने कहा कि भारतीय सेना में जिले के 18 युवाओं का चयन होना बहुत ही खुशी की बात है। इसके लिए सभी युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सफलता पाने के लिए हमें छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर विभिन्न विषयों का अध्ययन करना चाहिए। शासकीय सेवा में चयन होने के लिए समय-समय पर अयोजित होने वाले टेस्ट सीरीज में अवश्य शामिल होना चाहिए और विगत वर्षों के प्रश्न पत्र का भी अध्ययन करें। एमआर क्लासेस के संचालक भीष्म चंद्राकर ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से एमआर क्लासेस युवाओं के शासकीय सेवा में चयन होने के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रही है। प्रतिवर्ष विभिन्न शासकीय सेवाओं में संस्था से युवाओं के चयन में वृद्धि होती जा रही है। उन्होंने बताया कि एसएससी -जीडी 2022-23 में संस्था के 18 युवाओं का चयन हुआ हैं। जिसमें बीएसएफ में पिंकी यादव, ललिता, तुलेश निर्मलकर, जयंत साहू, मूलचंद साहू, सीआरपीएफ में उमा शंकर, संजीव, काजल, तेजश्वनी साहू, बिरेश साहू, असम राईफल्स में पलेश, राजनारायण, सहदेव तारम, मिलन साहू, सीआईएसएफ में राहुल कचलाम, कंचन सिन्हा, निलेश जांगड़े, आईटीबीपी में टीकेश साहू का चयन हुआ है। एमआर क्लासेस के सह संचालक श्री प्रभात बैस ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए,उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संतोश कड़वे, आशीष, ताम्रज चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

बिजली बिल संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए लगेगा समस्या निदान शिविर

गरियाबंद। विद्युत वितरण कंपनी गरियाबंद संभाग अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा एवं सुविधा प्रदान करने हेतु सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में बिजली बिल संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु समस्या निदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। मैनपुर विकासखंड के वितरण केन्द्र मुख्यालय मैनपुर में 11 सितम्बर को, बिन्द्रानवागढ़ में 13 सितम्बर, गोहरापदर में 20 सितम्बर तथा अमलीपदर में 25 सितम्बर को बिजली बिल समस्या निदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा। शिविर में आमजनमानस शामिल होकर बिजली बिल से संबंधित शिकायतों का निराकरण करा सकेंगे।

सनातन धर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग

उदयनिधि के बयान पर 14 जज, 130 ब्यूरोक्रेट्स और 118 रिटायर्ड सैन्य अफसरों ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, एजेंसी।

सनातन धर्म को बीमारी बताने वाले तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ 262 शख्सियतों ने सुप्रीम कोर्ट को चिट्ठी लिखी है। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट से खुद दखल देने की मांग की है।

इनमें 14 जज, 130 ब्यूरोक्रेट्स और सेना के 118 रिटायर्ड अफसर शामिल हैं। इन्होंने तमिलनाडु सरकार के खिलाफ स्टालिन पर कोई एक्शन ना लेने के लिए कार्रवाई करने की मांग की है।

इन लोगों में तेलंगाना हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस के श्रीधर राव, पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी और राज्यसभा के पूर्व महासचिव द्दस्र योगेंद्र नारायण, भारत सरकार के पूर्व सेक्रेटरी IAS समीरेंद्र चटर्जी और IAS धनेंद्र कुमार, पूर्व रॉ चीफ IPS संजीव त्रिपाठी भी शामिल हैं।

हाईकोर्ट के जज रह चुके एसएन ढींगरा और गोपाल कृष्ण ने शुरू की पहल

लेटर लिखने की पहल दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज एसएन ढींगरा और शिपिंग सेक्रेटरी गोपाल कृष्ण ने की थी। इन्होंने हेटस्पीच रोकने और शांति-व्यवस्था संभालने के लिए विचार करने की मांग भी की है। लेटर में लिखा गया कि उदयनिधि स्टालिन ने भारत के एक बड़े हिस्से के खिलाफ नफरत फैलाने वाला भाषण दिया है।

संविधान में भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है इसलिए यह बयान सीधे तौर पर संविधान के खिलाफ है। इसके अलावा तमिलनाडु सरकार ने स्टालिन के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया बल्कि उन्हें बचाने की कोशिश की। यह कानून का उल्लंघन है।

2021 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को नफरत फैलाने वाले भाषण या बयान पर तुरंत एक्शन लेने का ऑर्डर दिया था। लेटर में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का हवाला दिया और लिखा कि तमिलनाडु सरकार ने एक्शन लेने में देरी की, यह सुप्रीम कोर्ट का अपमान है।

उदयनिधि अपने बयान पर कायम

उधर, उदयनिधि अपने बयान पर कायम हैं। उन्होंने 3 सितंबर की शाम को फिर से सनातन धर्म को खत्म करने की बात दोहराई। उदयनिधि ने चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैं फिर से कह रहा हूं कि मैंने केवल सनातन धर्म की आलोचना की है और सनातन धर्म को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। ये बात मैं लगातार कहूंगा। कुछ लोग बचकाना व्यवहार कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मैंने नरसंहार के लिए आमंत्रित किया है।
कुछ लोग द्रविड़म को भी समाप्त करने की बात करते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि द्दस्र वासियों को भी मार दिया जाना चाहिए
2 सितंबर को ब्द्भक्कद्भ सेल प्रमुख अमिल मालवीय ने उदयनिधि के बयान को नरसंहार के लिए उकसाने वाला बताया था। जिसके बाद उदयनिधि ने कहा- क्ख्रमोदी भी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं।

उदयनिधि के बयान पर संत और नेताओं ने क्या कहा

» पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार (4 सितंबर) को कहा कि मैं तमिलनाडु की जनता और मुख्यमंत्री स्टालिन का सम्मान करती हूं। भारत की मूल भावना अनेकता में एकता है। हमें ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए, जिससे एक समुदाय के लोगों को ठेस पहुंचे।

» कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने उदयनिधि स्टालिन को उदयनिधि हिटलर करार दिया। बोम्मई ने कहा कि यह उन पार्टियों के समूह की मानसिकता है जो किसी भी कीमत पर सत्ता में आना चाहते हैं। यह अलोकतांत्रिक और मानवता विरोधी है।

» राम जन्मभूमि के प्रमुख पुजारी आचार्य सतेंद्र दास ने कहा, सनातन धर्म को किसी भी कीमत पर खत्म नहीं किया जा सकता है। ये धर्म सदियों से चला आ रहा है और सदियों तक चलता रहेगा। उदयनिधि को सनातन का असल मतलब नहीं पता है। वे जो भी कह रहे हैं वो बिल्कुल गलत है।

» चिलकुर बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी रंगराजन ने कहा, उदयनिधि स्टालिन एक कैबिनेट मंत्री हैं। वह एक संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

» केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद प्रधान ने कहा, तमिलनाडु के कुछ लोगों की हकीकत अब सामने आ रही है। कुछ दिन पहले ही हमने काशी-तमिल समागम का आयोजन किया था और तमिलनाडु के हर गांव में भगवान जगन्नाथ की पूजा की जाती है। सनातन धर्म अमर है, ऐसे राजनीतिक बयानों से कुछ नहीं होने वाला।

कनाडा के स्कूल में खालिस्तान जनमत संग्रह की अनुमति रद्द

ओटावा, एजेंसी।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को एक बड़ा झटका लगा है। कनाडाई अधिकारियों ने हथियार की तस्वीरें दिखाने वाली प्रचार सामग्री पर चिंता जताने के बाद देश के एक स्कूल में खालिस्तान जनमत संग्रह कराने की अनुमति वापस ले ली है। यह जनमत संग्रह 10 सितंबर को कनाडा स्थित सरे के तमनविस सेकेंडरी स्कूल में होना था।

सरे स्कूल के एसोसिएट डायरेक्टर, संचार सेवा, रितिंदर मैथ्यू ने बताया कि जिले ने हमारे किराये समझौते के उल्लंघन के कारण स्कूलों में से एक का सामुदायिक किराया रद्द कर दिया है। कार्यक्रम की प्रचार सामग्री में हथियार की तस्वीरों के साथ-साथ स्कूल की फोटो भी थीं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे को सुलझाने के कई प्रयास के बावजूद कार्यक्रम आयोजकों ने इन छवियों और सामग्रियों को नहीं हटाया। मैथ्यू ने कहा, हमारे किराया समझौते के उल्लंघन के कारण जिले ने हमारे

स्कूलों में से एक का सामुदायिक किराया रद्द कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा, इस मुद्दे को संबोधित करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद, कार्यक्रम के आयोजकों ने तस्वीरों को नहीं हटाया, और सामग्री पूरे सरे तथा सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाती रही। उन्होंने कहा कि निर्णय के बारे में कार्यक्रम आयोजकों को सूचित कर दिया गया है। मैथ्यू ने कहा कि उनका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मदद प्रदान करना और स्कूल समुदायों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। मूल रूप से जालंधर के गोराया के निवासी जोगिंदर सिंह बासी ने कनाडा में खालिस्तानी गुटों व गुरपतवंत सिंह पन्नू के विरुद्ध बड़ी मुहिम चलाई।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन से मिलेंगे पुतिन

वॉशिंगटन, एजेंसी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच इस महीने मुलाकात हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मुलाकात रूस में होगी और इस बैठक में हथियार सौदे को लेकर बातचीत होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरिया, रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए हथियार सप्लाई कर सकता है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त आई हैं, जब अमेरिका ने बीते हफ्ते ही रूस को उत्तर कोरिया से गुप्त बातचीत को लेकर चेतावनी दी थी।

उत्तर कोरिया भी डील को लेकर उत्सुक

अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता एड्रियन वाटसन ने कहा कि हम पहले ही सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे चुके हैं कि रूस और डीपीआरके के बीच हथियारों की डील को लेकर बातचीत हो रही है। दरअसल रूस, उत्तर कोरिया से लंबी दूरी की मिसाइलें खरीद सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरिया भी इस डील को लेकर उत्सुक है। यही वजह है कि उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन, जो आमतौर पर देश से बाहर नहीं जाते हैं, वह इस महीने रूस का दौरा कर सकते हैं।

बीते साल भी उत्तर कोरिया ने रूस को सप्लाई किए थे हथियार

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने बीते साल भी रूस को रॉकेट और मिसाइल की सप्लाई की है। जिनका इस्तेमाल वैगनर ग्रुप द्वारा किया गया था। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई सोइगु ने भी बीते महीने उत्तर कोरिया का दौरा किया था। बीते हफ्ते संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और जापान ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि कोई भी डील जो रूस और उत्तर कोरिया के बीच द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाती है तो उसे सुरक्षा परिषद प्रस्ताव का उल्लंघन माना जाएगा। गौरतलब है कि रूस ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था।

पाकिस्तान में 25 अरब डॉलर इन्वेस्ट करेगा सऊदी

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के केयर टेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ के मुताबिक- सरकारी कंपनियां अब सरकारी खजाने के लिए बोझ बन चुकी हैं। (फाइल) -पाकिस्तान के केयर टेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ के मुताबिक- सरकारी कंपनियां अब सरकारी खजाने के लिए बोझ बन चुकी हैं। (फाइल)

पाकिस्तान के केयर टेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ के मुताबिक, सऊदी अरब सरकार पांच साल के दौरान पाकिस्तान में 25 अरब डॉलर का इन्वेस्टमेंट करेगी।

सोमवार रात मीडिया से बातचीत में काकड़ ने कहा- हम मुल्क की इकोनॉमी सुधारने के लिए काफी कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है, जल्द बेहतर नतीजे सामने आने लगेंगे। इसके अलावा एक इंटरव्यू में काकड़ ने कहा- हमारी सरकारी कंपनियां इकोनॉमी को जबरदस्त नुकसान पहुंचा रही हैं। बहुत जल्द हम इन्हें प्राईवेट सेक्टर के हवाले करेंगे। इससे सरकारी खजाने में पैसा भी आएगा और इन कंपनियों की ऑपरेशन्स भी सुधरेंगे।

सऊदी का नया वादा

काकड़ के मुताबिक- सऊदी सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वो दो से पांच साल के दौरान पाकिस्तान में 25 अरब डॉलर इन्वेस्टमेंट करेंगे। ये निवेश अलग-अलग सेक्टर में किया जाएगा।

काकड़ की बात अपनी जगह ठीक हो सकती है, लेकिन यहां एक बात ध्यान रखनी जरूरी है। 2019 और इसके बाद 2022 में सऊदी ने दो बार पाकिस्तान को 10-10 अरब डॉलर के इन्वेस्टमेंट का भरोसा दिलाया था। 2019 में इमरान खान प्रधानमंत्री थे और यह वादा क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान विजिट के दौरान किया गया था।

इसके बाद शाहबाज शरीफ जब अगस्त 2022 में सऊदी गए तो यही वादा दोहराया गया। हालांकि, पाकिस्तान के अखबार 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने कुछ महीने पहले अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया था कि सऊदी अरब ने कोई इन्वेस्टमेंट अब तक नहीं किया है।

प्राईविटाइजेशन प्रोसेस तेज करने का वादा

काकड़ ने मीडिया से कहा- ज्यादातर सरकारी कंपनियां बेहद घाटे में हैं और ये सरकार के लिए बोझ बन चुकी हैं। लिहाजा, हमने एक टीम बनाई है जो जल्द से जल्द इन सरकारी कंपनियों को प्राईवेट सेक्टर के हाथों में सौंपने का प्लान सौंपेगी। इसके बाद 6 महीने में इन कंपनियों को प्राईवेट सेक्टर को बेच दिया जाएगा। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस इनमें से एक होगी।

खाड़ी देशों को चाहिए गारंटी

एक रिपोर्ट के मुताबिक- IMF ने दो महीने पहले पाकिस्तान को 2.9 अरब डॉलर का कर्ज दिया था। इसके पहले उसने कुछ शर्तें रखी थीं। वो साफ कह रहा था कि पाकिस्तान पहले अपने सहयोगी देशों (चीन, सऊदी, यूएई और कतर) से 100% गारंटी दिलाइए, इसके बाद किश्त जारी की जाएगी। इसके बाद तब के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने द्धरूस्न चीफ से पांच मुलाकातें कीं और किसी तरह लोन हासिल करके मुल्क को दिवालिया होने से बचा लिया था।

ये देश कुछ और ही सोच रखते हैं। चारों ही देश अपने पैसे की गारंटी चाहते हैं। इसके लिए उनकी शर्त थी कि पाकिस्तान सरकार पहले द्धरूस्न से गारंटी दिलाए। मतलब साफ है कि दोनों ही पक्षों ने पाकिस्तान को जबरदस्त उलझा दिया था। बहरहाल, अब सऊदी मदद ने पाकिस्तान की मदद कर दी है।

चीन ने 2 अरब डॉलर का लोन रोल ओवर किया। यानी इसकी वसूली कुछ वक्त के लिए टाल दी। इसके बाद 500 मिलियन डॉलर कर्ज और भी दे दिया, लेकिन ये ऊंट के मुंह में जीरा समान था। IMF और दूसरे देशों के लिए फिक्र की एक बहुत बड़ी वजह पाकिस्तान पर चीन का कर्ज है।

फ्रांस में 300 स्टूडेंट्स ने नहीं माना फुल बुर्का बैन

67 स्टूडेंट्स का इसे उतारने से इनकार, 513 स्कूल पर सरकार की नजर

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में सोमवार को नया एजुकेशन सेशन शुरू हुआ। प्रेसिडेंट एमैनुएल मैक्रों की सरकार तमाम स्कूलों में फुल बुर्का (अबाया) को बैन कर चुकी है। इसके बावजूद 300 मुस्लिम स्टूडेंट्स अबाया पहनकर स्कूल पहुंचीं। इनमें से 67 ने इसे उतारने से इनकार कर दिया। बाकी ने क्लास में एंट्री से पहले इसे हटा दिया। यह जानकारी अरब वर्ल्ड की वेबसाइट 'मिडिल ईस्ट मॉनिटर' ने अपनी रिपोर्ट में दी है।

फ्रांस के एजुकेशन मिनिस्टर गैब्रियल एटॉल ने पिछले हफ्ते सरकारी स्कूलों में अबाया बैन का ऐलान किया था। कई मुस्लिम संगठनों ने इसका विरोध किया है। इसके बाद प्रेसिडेंट मैक्रों ने साफ कर दिया था कि इस नियम को हर कीमत पर लागू किया जाएगा।

सोमवार को फ्रांस के स्कूलों में अबाया पहनने वाली स्टूडेंट्स पर नजर रखी गई। ज्यादातर ने क्लास में एंट्री से पहले इसे उतार दिया।

सोमवार को फ्रांस के स्कूलों में अबाया पहनने वाली स्टूडेंट्स पर नजर रखी गई। ज्यादातर ने क्लास में एंट्री से पहले इसे उतार

दिया। एजुकेशन मिनिस्टर एटॉल ने कहा- 300 फीमेल मुस्लिम स्टूडेंट्स बैन के बावजूद अबाया पहनकर स्कूल पहुंचीं। 67 ने क्लास में एंट्री से पहले इसे उतारने से इनकार कर दिया। बाकी ने नियम का पालन किया। इस कोड ऑफ सेक्यूलिरिज्म का मतलब है कि किसी को उसके पहनावे से न पहचाना जा सके। उसके पहनावे से मजहब की पहचान न हो सके। अगर किसी को दिक्कत है तो तो बातचीत से उसे समझाया जा सकता है।

दूसरी तरफ, मुस्लिम राइट्स एक्शन (ADM) के वकील विन्सेंट ब्रेन्गर्थ ने सोशल मीडिया पर कहा- हमने काउंसिल ऑफ स्टेट के सामने इस बैन के खिलाफ अपील दायर की है। यह बुनियादी आजादी के हक के खिलाफ उठाया गया कदम है। इसकी सुनवाई जल्द होगी।

प्रेसिडेंट मैक्रों पहले ही साफ कर चुके हैं कि यह कदम स्टूडेंट्स के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके हित में है और इसे वापस नहीं लिया जाएगा। मैक्रों ने कहा था- किसी भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में हर स्टूडेंट समान है। इनका पहनावा अलग-अलग नहीं, बल्कि एक जैसा होना चाहिए।

मैक्रों के दौर में ही फ्रांस में मुस्लिमों के खिलाफ कई बार बयानबाजी हुई। इसके अलावा मुस्लिम चैरिटेबल फाउंडेशन्स और इबादतगाहों पर पुलिस ने छापे भी मारे हैं।

प्राइम मिनिस्टर एलिजाबेथ बोर्नी कहा- हम अबाया बैन की निगरानी कर रहे हैं। कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। इसके बावजूद हम हालात पर पैनी नजर रख रहे हैं। (प्रतीकात्मक)

सोमवार को इस मामले पर पूरे दिन प्राइम मिनिस्टर एलिजाबेथ बोर्नी की नजर रही। बाद में उन्होंने कहा- हमने पूरे दिन इस मामले की निगरानी की। सुबह से कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। इसके बावजूद हम हालात पर पैनी नजर रख रहे हैं। स्टूडेंट्स को यह समझाया जाएगा कि अगर सरकार ने यह नियम बनाया है तो इसके मायने क्या हैं।

बोर्नी ने माना कि कुछ स्टूडेंट्स बैन के बावजूद अबाया पहनकर ही स्कूल पहुंचीं। प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ युवा लड़कियां आसानी से अबाया उतारने को तैयार हो गईं। कुछ ने ऐसा नहीं किया। हम उनसे बातचीत कर रहे हैं। इन लोगों को यह समझना होगा कि अगर कोई कानून या नियम बनाया गया है तो फिर उसे लागू भी किया जाएगा।

दूसरी तरफ, एजुकेशन मिनिस्टर गैब्रियल ने कहा- फ्रांस में करीब 45 हजार स्कूल हैं और इनमें एक करोड़ 20 लाख स्टूडेंट्स हैं। हमने 513 स्कूलों को शॉर्ट लिस्ट किया है। इस बैन का असर इन पर होगा। कुछ स्कूलों में ट्रेनिंग के लिए स्पेशल इन्सपेक्टर तैनात किए जाएंगे।

फ्रांस ने 2004 में स्कूलों में हेडस्कार्फ पहनने पर और 2010 में सार्वजनिक रूप से पूरे चेहरे के नकाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे फ्रांस में रहने वाली 50 लाख मुस्लिम लोगों में अब तक नाराजगी है। फ्रांस के सरकारी स्कूलों में बड़े क्रॉस, यहूदी किप्पा और इस्लामी हेडस्कार्फ पहनने की अनुमति भी नहीं हैं।

फ्रांस के दक्षिणपंथी लोगों ने अबाया पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार पर दबाव डाला था, जबकि वामपंथियों का तर्क था कि इससे लोगों की स्वतंत्रता का हनन होगा। (प्रतीकात्मक)

फ्रांस के दक्षिणपंथी लोगों ने अबाया पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार पर दबाव डाला था, जबकि वामपंथियों का तर्क था कि इससे लोगों की स्वतंत्रता का हनन होगा।

एलियन से इंसानों-प्रकृति को ज्यादा खतरा

हर साल 423 अरब डॉलर का नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी।

एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि विदेशी प्रजातियों (जो प्रजाति स्थानीय नहीं है और विभिन्न माध्यमों से नई जगह पहुंची है) से पृथ्वी की जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालात ये हैं कि इन विदेशी प्रजातियों की वजह से दुनिया के पेड़-पौधों और जानवरों की 60 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्ति हो चुकी हैं। यह रिपोर्ट एक अंतर सरकारी संस्था इंटरगवर्नमेंटल प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज द्वारा प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट को एसेसमेंट रिपोर्ट ऑन इनवेसिव एलियन स्पीसीज एंड देयर कंट्रोल% नाम दिया गया है।

दुनिया में अभी तक 37 हजार विदेशी प्रजातियों के बारे में पता चला है। इनमें पेड़-पौधों और जानवरों दोनों की प्रजातियां शामिल हैं। इनमें से 3500 से ज्यादा विदेशी प्रजातियां ज्यादा आक्रामक पाई गई हैं। यह रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई। रिपोर्ट में

बताया गया है कि जैव विविधता के वैश्विक नुकसान, जीवों के शोषण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जमीन और समुद्र के इस्तेमाल में बदलाव के लिए विदेशी प्रजातियां भी एक अहम कारक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी प्रजातियां सदियों से दुनिया के सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही हैं लेकिन हाल के सालों में इसमें अभूतपूर्व तरीके से तेजी आई है। इसकी वजह इंसानों के बहुत ज्यादा एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करने, व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था के विस्तार प्रमुख कारण हैं। दुनिया में 6 फीसदी पेड़-पौधे, 22 प्रतिशत अकशेरुकी जीव, 14 प्रतिशत कशेरुकी जीव, 11 प्रतिशत सूक्ष्म जीव विदेशी हैं और प्रकृति और इंसानों के लिए खतरनाक हैं। जलकुंभी दुनिया की सबसे व्यापक आक्रामक विदेशी प्रजाति है। इसके अलावा लैंटाना, फूलदार झाड़ी और काला चूहा भी व्यापक रूप से दुनिया में फैली विदेशी प्रजातियां हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 1970 के बाद वैश्विक व्यापार और मानव यात्रा में बढ़ोतरी की वजह से विदेशी प्रजातियों की वार्षिक लागत बढ़कर चार गुना हो गई है। 2019 में, आक्रामक विदेशी प्रजातियों से वैश्विक अर्थव्यवस्था को करीब 423 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आने वाले समय में विदेशी प्रजातियों के आक्रमण में तेजी आने की आशंका है। तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन इसमें तेजी ला सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति छह अफ्रीकी देशों को जल्द भेजेंगे मुफ्त अनाज

मास्को, एजेंसी।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दोआन से कहा कि रूस काला सागर अनाज समझौते के लिए तैयार है, लेकिन पश्चिमी देशों को रूसी शर्तें माननी होंगी। पुतिन ने कहा, इनमें यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर विचार न करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, जब तक पश्चिमी देश उसकी शर्तें नहीं मानते, वह अनाज सौदा नहीं करेंगे। अर्दोआन से वार्ता के बाद पुतिन ने कहा कि रूस 6 अफ्रीकी देशों को मुफ्त अनाज देने के समझौते के बेहद करीब हैं।

काला सागर अनाज निर्यात समझौता एक ऐसा सौदा है जो यूक्रेन का अनाज विश्व बाजार में लाकर वैश्विक खाद्य संकट घटा सकता है। अर्दोआन की कोशिश है कि वह रूसी राष्ट्रपति को समझौते के पटरी पर लौटाकर इस संकट को खत्म करने में मदद करें। रूस ने संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये की मध्यस्थता के एक साल

बाद जुलाई में यह सौदा छोड़ दिया था।

सोची के काला सागर रिसॉर्ट में पुतिन ने अर्दोआन से कहा, उन्हें उम्मीद है कि वे तुर्किये में प्राकृतिक गैस हब और अनाज समझौते पर चर्चा करेंगे। पुतिन ने कहा, मुझे पता है कि आप अनाज सौदे का मुद्दा उठाएंगें। हम वार्ता के लिए तैयार हैं। अर्दोआन ने कहा कि दुनिया अनाज गलियारे के मुद्दे पर खबर का इंतजार कर रही है। रूस की मुख्य मांगों में से एक रूसी कृषि बैंक को स्विफ्ट अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली से फिर से जोड़ना है, जिस पर पश्चिमी देशों को एतराज है।

युद्ध के बीच यूक्रेनी रक्षा मंत्री का इस्तीफा यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा युद्धग्रस्त देश के रक्षा मंत्री को बदलने के फैसले के बाद सोमवार को ओलेक्सी रेजनिकोव ने पद से इस्तीफा दे दिया।

ठ्ठजेलेंस्की ने रेजनिकोव के स्थान पर क्रीमिया के तातार रुस्तम उमेरोव को नए रक्षा मंत्री के बतौर प्रस्तावित किया है। रेजनिकतोव के मंत्रालय को भोजन और कपड़ों की खरीद पर युद्धकालीन घोटालों का सामना करना पड़ा है।

वार्ता से पहले अनाज निर्यातक बंदरगाह पर हमले

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दोआन व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच वार्ता से कुछ घंटे पूर्व, रूस ने यूक्रेन के सबसे बड़े अनाज निर्यातक बंदरगाह 'इजमेल' पर कई ड्रोन हमले किए। ओडेसा क्षेत्र में डेन्यूब नदी पर यूक्रेन के दो मुख्य अनाज निर्यात टर्मिनलों में से एक इजमेल बंदरगाह के निवासियों से सोमवार की सुबह वायु सेना द्वारा कवर लेने का आग्रह किया गया।

सब्जियों की कीमतों की वजह से जुलाई में मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत हुई, अब घट रहे दाम : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति के दूसरे दौर के प्रभाव को लेकर सजग है। वे महंगाई दर को चार फीसदी पर लाने के लिए भी प्रयासरत है। इसके लिए केंद्रीय जोखिमों पर नजर रखेगा, क्योंकि कई बार होने वाले वैश्विक आपूर्ति झटके का मूल्य स्थिति के प्रबंधन पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कम, स्थिर मुद्रास्फीति के दौर में परिवारों, कारोबार क्षेत्रों को अपनी दीर्घावधि की बचत और निवेश योजना बनाने में मदद मिली। शक्तिकांत दास ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में बोलते हुए यह भी कहा कि सब्जियों की कीमतों की वजह से जुलाई में मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर

पहुंची है। अब सब्जियों के दाम घटने लगे हैं।

दास ने आगे कहा, आरबीआई यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है कि महंगाई के संबंध में सामान्यीकरण और दृढ़ता के रूप में दूसरे प्रभावों को हावी न होने दिया जाए। केंद्रीय बैंक को महंगाई को दो फीसदी कम या ज्यादा के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी है। बार-बार होने वाली खाद्य कीमतों के झटके की घटनाएं महंगाई की उम्मीदों के स्थिरीकरण के लिए जोखिम पैदा करती हैं। महंगाई फरवरी 2022 से ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। हम इस पहलू पर भी नजर रखेंगे। दास ने कहा, सरकार की ओर से किए जा रहे निरंतर और समय पर आपूर्ति पक्ष के हस्तक्षेप की भूमिका ऐसे खाद्य मूल्य झटकों की गंभीरता और अवधि को सीमित करने में महत्वपूर्ण है। इन परिस्थितियों में मूल्य स्थिरता के लिए किसी भी जोखिम के प्रति सतर्क रहने के साथ समय पर और उचित रूप से कार्य करना जरूरी है। उन्होंने कहा, हम अभी भी महंगाई के लक्ष्य को चार फीसदी पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि इसके लिए कोई समय सीमा हम नहीं दे सकते। सब्जियों की कीमतों में तेजी से जुलाई में खुदरा महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 7.4 फीसदी पर पहुंच गई थी।

सीबीडीसी को कॉल मनी मार्केट के लिए टोकन के रूप में विस्तारित करने की योजना बना रहा आरबीआई

वहीं, यह भी सामने आया है कि आरबीआई सीबीडीसी को कॉल मनी मार्केट के लिए टोकन के रूप में विस्तारित करने की योजना बना रहा है। आरबीआई के सूत्रों ने बताया कि आरबीआई अब इंटरबैंक ऋण बाजार में जाने की योजना बना रहा है। ऐसे में होलसेल सीबीडीसी का उद्देश्य विभिन्न तकनीकों को आजमाना है। सूत्रों ने कहा कि होलसेल पायलट के लिए प्रौद्योगिकी पर प्रयोग करना अपेक्षाकृत आसान होता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) नामक डिजिटल मुद्रा को शुरू करने की घोषणा की थी। बाद में वित्त विधेयक 2022 के पारित होने के साथ आरबीआई अधिनियम, 1934 की संबंधित धारा में आवश्यक संशोधन किए गए थे। बता दें कि सीबीडीसी संप्रभु मुद्रा का एक इलेक्ट्रॉनिक रूप है। यह नकदी की तरह कोई ब्याज अर्जित नहीं करेगा, लेकिन इसे नकद के विभिन्न रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

हाल ही में आरबीआई ने पायलट प्रोजेक्ट होलसेल सीबीडीसी शुरू किया है। इसके लिए नौ बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी को चुना गया है।

सार-समाचार

मतदाता जागरूकता कार्य   म अंतर्गत आमाबेड़ा में आयोजित किया गया मांझी, गायता, पटेल का मिलन एवं सम्मान समारोह

अशोक जैन रिपोर्ट/ कांकेर - जिले के अंतागढ़ विधानसभा अंतर्गत आमाबेड़ा में कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री बी. एस. उइके के दिशानिर्देशन में आमाबेड़ा क्षेत्र अंतर्गत 23 ग्राम पंचायत के 80 ग्राम के परगना मांझी, ग्राम पटेल, गायता का मिलन समारोह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 11 सितंबर 2023 तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के सम्बंध में जानकारी दी गयी। साथ ही मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अन्तर्गत आगामी निर्वाचन में मतदान के महत्व को बताते हुए निष्पक्ष, भयमुक्त, बिना किसी प्रलोभन के शत प्रतिशत मतदान करने हेतु शपथ दिलाया गया। साथ ही उपस्थित सभी ग्राम गायता ,पटेल , ग्रामीणों को श्वङ्कड़ प्रदर्शनी कर दिखाया गया। उपस्थित सभी मांझी, पटेल , गायता का पारम्परिक गमछा पहना कर सम्मान किया गया। सभी उपस्थित ग्राम पटेल, गायता, कोटवारों को क्षेत्र में सभी अवैध गतिविधियों के सम्बंध में प्रशासन एवं पुलिस को अवगत कराते हुए शांति व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करने हेतु जागरूक किया गया।   कार्यक्रम में श्री विश्वास कुमार स्ष्ठड़ अंतागढ़, श्री अमर सिदार अनु अधिकारी पुलिस अंतागढ़, श्री उमेश चौहान तहसीलदार आमाबेड़ा, श्री जितेंद्र साहू थाना प्रभारी आमाबेड़ा एवम समस्त पटवारी, कोटवार उपस्थित थे।

वैस्टर्न डिजिटल ने पेश की हाई परफॉरमेंस WD Blue™ SN580 NVMe™ SSD

मुंबई। आज की दुनिया में विजुअल उत्कृष्टता एवं डिजिटल कॉटेंट रचना की मांग आसमान छू रही है। इससे और ज्यादा उन्नत प्रौद्योगिकियों का मार्ग प्रशस्त हो रहा है जो समृद्ध कॉटेंट के उत्पान एवं खपत को समर्थन देते हैं। ग्राहकों, विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए तेज, भरोसेमंद टूल्स अनिवार्य हैं जो उनकी कल्पनाशीलता को प्रवाहमान बनाए रखें। अपने पुरस्कार विजेता एसएसडी पोर्टफोलियो को विस्तार देते हुए वैस्टर्न डिजिटल ने अब WD Blue™ SN580 NVMe™ SSD सॉलिड स्टेट ड्राइव को जारी किया है। यह नई NVMe PCIe® Gen 4.0 इंटरनल फ्लैश ड्राइव को खास तौर पर उत्साही रचनात्मक समुदाय एवं पेशेवरों के लिए निर्मित किया गया है, वर्तमान पीसी को अपग्रेड करने या कस्टम बिल्ड को बेहतर बनाने में यह ड्राइव काम आती है।

छत्तीसगढ़ में रूम टू रीड ने लॉन्च की मोबाइल लाइब्रेरी वैन

नईदिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में रूम टू रीड इंडिया ने अपने रीडिंग कैंपेन की पहुंच और प्रभाव का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से थीम 'टीचर्स ऐज़ अ चेंजमेकर' को बढ़ावा देने के लिए मोबाइल लाइब्रेरी वैन का लॉन्च किया। लॉन्च समारोह का आयोजन कई ज़िलों जैसे महासमुंद, छत्तीसगढ़ में किया गया और इसके बाद महासमुंद ज़िले के बागबहारा ब्लॉक में इसका विस्तार किया गया। इस प्रस्तावना के कई उद्देश्य थे जैसे बच्चों की साक्षरता और समुदाय की सक्रियता की स्थिति में पूर्ण बदलाव लाना। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य था रीडिंग मटीरियल यानि पठन सामग्री की सुलभता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना कि हर बच्चे को रीडिंग का अनुभव का आनंद उठाने का मौका मिले। 'कम्युनिटी एंगेजमेन्ट' यानि समुदाय की सक्रियता मोबाइल वैन गतिविधि का एक और मुख्य उद्देश्य था। रीडिंग कैंपेन में स्थानीय समुदायों को सक्रियता से शामिल किया गया। इस गतिविधी ने न सिर्फ पुस्तकें पढ़ने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया, बल्कि एक साथ मिलकर बौद्धिक खोज का अवसर भी प्रदान किया।

केशकाल विधानसभा में टिकट को लेकर घमासान जारी

अपनों के विरोध से टेकाम का उत्साह हुआ फीका

राज शार्दुल

कोंडागांव। पूर्व कलेक्टर नीलकंठ टेकाम ने सरकारी नौकरी छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली। उन्होंने केशकाल में एक भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के नेताओं के समक्ष भाजपा प्रवेश किया था। उनके साथ सैकड़ो समर्थकों ने भी भाजपा प्रवेश किया है। नीलकंठ टेकाम का भाजपा प्रवेश हो रहा था तब 10 वर्षों के बाद भाजपाईयो में अलग चमक दिखाई दे रही थी भाजपाइयों की माने तो उस कार्यक्रम ने कार्यकर्ताओं में नई जान फूंक दी थी किंतु दो दिन बाद भाजपा खेमों में बट गई और कार्यकर्ताओं का उत्साह ठंडा पड़ गया स्वयं नीलकंठ टेकाम भी शांत मुद्रा में आ गए।

खेमों में बंटी भाजपा - जैसे ही नीलकंठ टेकाम का भाजपा प्रवेश हुआ वैसे ही भाजपा अलग-अलग खेमों में बंट गई। भाजपा के स्थानीय दावेदार हाई कमान से नाराजगी जताने रायपुर पहुंच गए थे दावेदारों के अलावा उसमें मंडल के पदाधिकारी भी शामिल थे। स्थानीय नेताओं ने कहा कि उन्हें नीलकंठ टेकाम कतई स्वीकार नहीं है। स्थानीय दावेदारों ने उन्हें बाहरी बताकर उनका विरोध शुरू कर दिया है। हालांकि मान मनौव्वल का दौर भी शुरू हो गया है तथा अंतत: नीलकंठ टेकाम पर ही मुहर लगने की बात कही जा रही है। बता दें कि केशकाल में कांग्रेस के विधायक संत राम नेताम जो कि विधानसभा उपाध्यक्ष हैं। उनके पास जनबल धनबल जबरदस्त दिखाई दे रहा है। वह अपनी ताकत का एहसास कराने चौपहिया वाहनों का काफ़िला निकालते हैं तो देखते ही बनता है। उनके मुकाबले केशकाल भाजपा में कोई दावेदार मजबूत स्थिति में नहीं दिख रहा है जिस पर पार्टी जीत का भरोसा कर सके। विगत चुनाव में भी कमोबेश यही स्थिति रही। जिसके चलते ऐसे प्रत्याशी को टिकट दिया गया था जिनका पार्टी में कोई खास योगदान नहीं था किंतु गायत्री मिशन से जुड़े संस्कारी प्रत्याशी बताकर उन पर पार्टी ने विश्वास जताया था किंतु तब मामला उलटा पड़ा और भाजपा को पहले के मुकाबले दो गुना अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इसी के चलते भाजपा इस बार प्रत्याशी चयन को लेकर कोई चूक नहीं करना चाहती। इस बार नीलकंठ टेकाम को केशकाल विधानसभा में ऊर्जावान प्रत्याशी के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के द्वारा आम सभा में नीलकंठ टेकाम को आने वाले विधानसभा में जिताने की अपील के पश्चात उनकी टिकट पक्की मानी जा रही है किंतु जब तक पार्टी दूसरी लिस्ट जारी नहीं कर देती तब तक उन्हें अभी दावेदार ही कहा जा रहा है।

यहां नीलकंठ टेकाम के नाम को लेकर एक अलग उत्साह दिखाई दे रहा है भाजपा में टिकट के दावेदारों एवं उनके कुछ समर्थकों के द्वारा नीलकंठ टेकाम को बाहरी बताकर उनका विरोध किया जा रहा है किंतु यह समझ से परे है कि कांग्रेस के द्वारा भी उसी तर्ज पर उनका विरोध किया जा रहा है।

अभी कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ही पार्टियों ने यहां अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है किंतु भाजपा को नीलकंठ टेकाम एवं कांग्रेस में संत नेताम को प्रत्याशी के रूप में देखा जा रहा है। संत नेताम ने प्रचार प्रसार शुरू कर दिया है। साथ ही वे नीलकंठ टेकाम पर गंभीर आरोप लगान शुरू कर दिए हैं। उन्होंने भाजपा को सुझाव दिया है कि भाजपा को भी स्थानीय व्यक्ति को ही टिकट देना चाहिए। संत नेताम ने कहा है कि भाजपा के नेता स्थानीय लोगों की उपेक्षा करके बाहरी व्यक्ति को मैदान में उतार रहे हैं। अब यह तो टिकट की घोषणा के पश्चात ही पता चल पाएगा कि भाजपा कांग्रेस विधायक के सलाह पर अमल कर पाती है या यहां पुन: पर्यवेक्षक भेज कर प्रत्याशी चयन को लेकर सलाह मशविरा करती है।

बता दें कि कांग्रेस विधायक संत राम नेताम दूसरी बार केशकाल विधानसभा में चुनाव जीत कर आए हैं पहली बार 2013 में उन्हें सेवक राम नेताम को 8689 वोटो से हराया था तब संत नेताम को 53867 वोट मिले थे और सेवक राम नेताम को 45178 वोट मिले थे।

दूसरी बार 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने पुन: संत राम नेताम पर विश्वास जताया जबकि भाजपा ने प्रत्याशी बदलकर हरिशंकर नेताम को मैदान पर उतारा। इस बार संत नेताम को 73470 वोट मिले थे तथा हरिशंकर नेताम को महज 56498 मत ही मिल पाए थे। संत नेताम ने पहले के मुकाबले दो गुने मतों से जीत दर्ज किया उन्होंने भाजपा के हरिशंकर नेताम को 16972 वोटो से हराया। 2018 के चुनाव में 83.47 फ़ीसदी मतदान हुआ था।

कृष्ण जन्माष्टमी पर युवाओं द्वारा दंतेवाड़ा में हुआ मटकी फोड़ का आयोजन

जगह जगह मटकी फोड़ का हुआ आयोजन, कतियाररास में रहा धूम

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) -प्रतिवर्ष होने वाले कृष्ण जन्मोत्सव में शहर डूबा रहा. देर शाम तक कतियाररास के बाजार स्थल चौक में वार्ड के सक्रिय पार्षद एन नागराज ने मोहल्ले में मटका फोड़ का आयोजन किया. छविन्द्र कर्मा ने पूजा अर्चना कर दमदार आतिशबाजी के साथ मटकी फोड़ की शुरुआत की मोहल्ले के युवाओं ने मटका फोड़ने देर रात मशक्कत करते रहे।

क्या बुजुर्ग क्या महिला क्या बच्चे चारों तरफ धूमधाम से हो रहा था वहां लोगों की जुबा पर बस यही बोल थे,

(हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की) दही मटका का कार्यक्रम में लोगों की खुशी के लहर देखने को मिली इस बीच युवाओं और मोहल्ले वासियो के बीच पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छविन्द्र कर्मा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे. तीन से चार समूह के बीच चले इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता में देर शाम तक परिणाम नहीं मिल पाया था और सभी युवाओं ने बड़ी चुनौती के बावजूद प्रयास जारी रखा था. इस दौरान आकाश विश्वास, विश्वनाथ विश्वकर्मा, आयतु, रमेश, हरीश, तरुण, सहित बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने.

पत्रकार संघ नरहरपुर ब्लॉक का गठन किया गया

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर। पत्रकार संघ नरहरपुर ब्लॉक का गठन पेंशनर्स भवन नरहरपुर मे आज पत्रकार संघ का बैठक आयोजित किया गया । जिसमें सर्व समिति ब्लॉक पत्रकार संघ के द्वारा चुनाव कर पत्रकार संघ ब्लॉक अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव चुने गए। जिसमें अध्यक्ष अशोक साहू , सचिव सूरज मडावी, सह सचिव दीनदयाल साहू, उपाध्यक्ष विनोद साहू, चंद्रभान साहू, मनु राम कावाड़े , कोषाध्यक्ष मोहित रजक, संरक्षक बाबूलाल साहू, मन्नू राम साहू, पृथ्वी रामटेक ,अशोक जैन, सदस्य अनिल साहू, विवेक दास मानिकपुरी, इंद्रभान साहू, हेमलाल लोनहरे, किशोर साहू, अजय साहू ,विवेक साहू आदि के द्वारा नरहरपुर ब्लॉक पत्रकार संघ का गठन किया गया। इस अवसर पर पत्रकार संघ की चुने गए ब्लॉक अध्यक्ष अशोक साहू द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का सजग प्रहरी होने के साथ ही सरकार और समाज के कार्यों में अपनी एक अहम भूमिका निभाता है। वही ब्लॉक सचिव सूरज मंडावी के द्वारा अपने संबोधन में संगठन को सबसे बड़ी ताकत बताया उन्होंने कहा कि जब तक पत्रकार संगठित नहीं होंगे तब तक सरकार में बैठे नेता अधिकारी और अन्य लोग पत्रकारों का शोषण करते रहेंगे, इसलिए हमें संगठित होकर एकजुटता के साथ सभी कठिनाइयों का सामना करना होगा। सम्मेलन के समापन में नरहरपुर ब्लॉक इकाई के सदस्यों द्वारा सभी उपस्थित पत्रकारों का आभार व्यक्त किया गया।

दन्तेवाड़ा पुलिस ने संशोधित केन्द्रीय मोटर व्हीकल नियम (पांचवा संशोधन) नियम 2022 के संबंध में राज्य के अन्य जिलों को दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) संशोधित केन्द्रीय मोटर व्हीकल नियम (पांचवा संशोधन) नियम 2022 के संबंध में राज्य के अन्य जिलों को प्रशिक्षित किए जाने हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा जिला दंतेवाड़ा को नामित किया गया था। जिसके तहत आज दिनांक 06.09.2023 को पुलिस मुख्यालय रायपुर के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान राज्य के समस्त जिलों को दन्तेवाड़ा पुलिस द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। ज्ञातव्य हो कि संशोधित मोटर व्हीकल नियम के तहत पीड़ितों को त्वरित मुआवजा दिलाने हेतु माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा गाइडलाइन्स जारी किये गए हैं जिसमें सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में दुर्घटना से संबंधित जानकारी माननीय न्यायालय (दावा अधिकरण) के समक्ष समयसीमा में प्रस्तुत करने के सख्त निर्देष दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा गौरव राय , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के बर्मन के निर्देशन में व उप पुलिस अधीक्षक श्री के.के. चन्द्राकर (यातायात) दन्तेवाड़ा के पर्यवेक्षण में जिले के समस्त थाना द्वारा सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में समयसीमा के भीतर प्रथम दुर्घटना रिपोर्ट (48 घंटे में), अंतरिम दुर्घटना रिपोर्ट (50) दिनों में एवं विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (90) दिनों में पेश किया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिला द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक प्रकरण माननीय न्यायालय में पेश किये गए हैं।

दंतेवाड़ा जिला द्वारा किए गए कार्य को देखते हुए छत्तीसगढ़ के अन्य समस्त जिलों को ऑन लाईन प्रशिक्षित करने का जिम्मा पुलिस मुख्यालय रायपुर के द्वारा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा को दिया गया था। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशानुसार राम कुमार बर्मन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के.के. चन्द्राकर द्वारा आज ऑन लाइन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान दुर्घटना घटित होने के पश्चात् विवेचना अधिकारी के दायित्वों की विस्तृत जानकारी देते हुए निर्धारित समय सीमा (48घंटे, 50दिन, 90दिन) के अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा जारी दिशानिर्देश के तहत प्रारूप 01 से 10 तक की सम्पूर्ण जानकारी कब और कहां प्रेषित किये जाने हैं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस ऑनलाईन प्रशिक्षण इसके मॉनीटरिंग हेतु दन्तेवाड़ा जिले द्वारा बनाए गए सॉफ्टवेयर के माध्यम से कैसे आसान बनाया जा सकता है के संबंध में जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान संजय शर्मा, सहायक पुलिस महानिरीक्षक (यातायात), पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर, ने सॉफ्टवेयर द्वारा वाहन दुर्घटना प्रकरणों की मानीटरिंग करने के सिस्टम की सराहना करते हुए कहा कि दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा स्वयं के बनाए सॉफ्टवेयर के माध्यम से सतत समीक्षा करते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण किया जा रहा है जो प्रशंसनीय है। राज्य के समस्त जिलों को दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा प्रशिक्षण दिया जाना दन्तेवाड़ा पुलिस के लिए गर्व की बात रही। ऑनलाइन प्रशिक्षण के इस दौरान आर.एम. (आई.आर.ए.डी.) अभिषेक पानीग्राही, सहायक उप निरीक्षक प्रह्लाद निर्मल, सेफ्टी सेल से प्र.आर. 61- भावसिंह नेताम व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

20 रुपए से करोड़ों वसूलने का नया तरीका : किसानों को बीमा का झांसा

राज शार्दुल

कोंडागांव। आजकल लोग लाखों करोड़ों वसूलने के लिए नया-नया तरीका अपना रहे हैं। कई बार किसानों एवं राशन कार्ड में भी इस तरह का वसूली देखा गया है। इसके पूर्व कुछ लोग प्रत्येक पंचायत में घूम घूम कर राशन कार्ड में कवर लगाकर लाखों वसूली कर चुके हैं। आदिवासी अंचल में भोले भाले लोगों को बेवकूफ बनाकर षड्यंत्र पूर्वक तरीके से वसूली करने का काम काफी समय से चल रहा है। इस समय ऐसा ही कुछ माजरा फिर से देखने को मिला है जब एक किसान संगठन जिसका दिल्ली का पंजीयन दिखाया जा रहा है। उसके द्वारा गांव में कुछ जनप्रतिनिधियों के मार्फत प्रत्येक किसान से 20 रुपए वसूली किया जा रहा है। किसानों के लिए लंबे चौड़े प्रलोभन दिखाए गए हैं उनके पांपलेट से तो यही लगता है कि इनसे बड़ा हितैषी कोई और हो ही नहीं सकता किंतु दूसरी और जब इनके वसूली की ओर ध्यान आकृष्ट हुआ तब माजरा कुछ और लगा। एक गांव में लगभग 15 से 20 हजार रुपए का यदि हिसाब लगाया जाए तो एक जिले में लगभग एक करोड़ के आसपास की राशि वसूल हो सकती है। 20 रुपए को छोटी रकम समझ कर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए बिना सोचे समझे 20 रुपए दे रहे हैं। बीमा के लिए अन्य किसी प्रकार का फॉर्म नहीं भरा जा रहा है तथाकथित किसान संगठन के द्वारा स्वयं बीमा किया जा रहा है या किसी अन्य बीमा कंपनी से उसका टाईअप है यह भी जांच का विषय हो सकता है। मामले पर तब एक बार पुन: आशंका उत्पन्न हुई जब 20 रुपए वसूली के लिए किसानों का ऋण पुस्तिका, पासबुक, फोटो मंगाकर उन्हें एक छोटा सा रसीद दिया गया लेकिन इस बारे में राजस्व विभाग के छोटे कर्मचारियों से लेकर तहसीलदार तक किसी को कानों कान खबर नहीं है। बस्तर के भोले भाले किसानों के सीधे पन का फायदा कोई भी उठाना चाहता है क्योंकि यहां कोई ज्यादा तर्क वितर्क नहीं करता यदि तर्क वितर्क करते तो 20 रुपए देने से पहले तथाकथित वसुलीकर्ताओं को यह पूछते कि आपके पास अनुमति है क्या? लीगल दस्तावेज कहां है? बीमा का पैसा कौन देगा? इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? बीमा फसल का होगा या इंसान का और यह बीमा क्यों किया जा रहा है।

यूं तो आजकल कई निर्माता एजेंट एवं व्यवसायी बीमा कंपनियों के साथ टाइअप कर 1 रुपए में भी 1 लाख का बीमा रिस्क कवर देने का दावा करते हैं कई सामान विक्रेता, मोटर विक्रेता भी अपने मोटर के साथ बीमा फ्री जोड़ देते हैं। कुछ पत्रकार संगठनों ने भी पत्रकारों की सदस्यता पर बीमा निशुल्क कर देते हैं। बड़ी चालाकी से काम किया जाता है। बीमा आजीवन नहीं रहता एक साल की अवधि का रहता है उसके बाद न उसका नवीनीकरण किया जाता है न कोई पूछता है। लोगों को इस बात की भी जानकारी नहीं होती की बीमा कितने तरह का होता है और यह बीमा किस स्थिति परिस्थिति में किस को मिलेगा। यदि गांव में मुनादी हो जाए और पंचायत भवन में दस्तावेज लेकर एकत्र होने की बात कही जाए तो किसान तो वैसे भी कुछ न कुछ फायदा है सोचकर दौड़े-दौड़े चले आते हैं। इस तरह के मामलों के प्रकाश में आने के बाद प्रशासन के द्वारा इसकी कड़ाई से जांच की जानी चाहिए तथा यदि यह ठगी का मामला है तो इस पर अपराध दर्ज किया जाना चाहिए अन्यथा इस तरह के लोग हर गली कूचे में हैं जो चिट फंड जैसा करने के लिए ताक में लगे रहते हैं जब ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं होती तो इनको फलने फूलने में समय नहीं लगता।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू विवाद को लेकर दामाद ने ससुर को पीटा

रायपुर। ग्राम बोडरा में घरेलू विवाद को लेकर दामाद ने अपने ससुर से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गणेशराम लोधी 49 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी दामाद दीपक लोधी ने घरेलू विवाद को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 27 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर पुलिस की टीम ने रेलवे फाटक कोटा के पास सरेआम शराब पीते आरोपी कृष्णा मोंगराज 41 वर्ष व अब्दुल कादीर 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह कोतवाली पुलिस ने आरोपी अनुज मिंज 36 वर्ष व प्रहलाद स्वामी 36 वष को गिरफ्तार किया है। वहीं राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी विशाल शर्मा 47 वर्ष एवं देवेन्द्र नगर टीकम साहू 40 वर्ष, आकाश जंघेल 25 वर्ष, ओम पटेल 24 वर्ष, योगेश जंघेल 32 वर्ष, भरत वर्मा 23 वर्ष, हेमंत यादव 30 वर्ष, दौलत साहू 40 वर्ष व संतोष कुमार 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खमतराई पुलिस ने आरोपी राहुल साह 25 वर्ष, राहुल बेरिसाल 27 वर्ष, मुकेश जायसवाल 32 वर्ष व धर्मेन्द्र गुप्ता 32 वर्ष को गिरफ्तार किया हहै। वहीं गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपी ललित कुर्रे 32 वर्ष एवं अभनपुर पुलिस ने आरोपी अकबर खान 30 वर्ष, नितेश मन्नाडे 33 वर्ष व रामेश्वर सिन्हा 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

अवैध शराब बेचते तीन गिरफ्तार

रायपुर। अभनपुर व राजेन्द्र नगर पुलिस की टीम ने अवैध शराब बेचने वाले तीन कोचियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 146 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार अभनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब बेचते आरोपी अभिषेक गिलहरे 21 वर्ष व चरण दास धृतलहरे 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से कुल 96 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी दिनेश सागर 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 50 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

ताश के पत्तों की तरह पानी की दो टंकियां धराशाई, लोग दहशत में

रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप स्थित सेक्टर 4 में मंगलवार की सुबह हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, यहां हजारों गैलन पानी से भरी दो टंकियां अचानक ध्वस्त हो गई। इन टंकियों से सेक्टर 4, सेक्टर 3 स्थित आवासों को जलापूर्ति की जाती है। बताया जा रहा है कि कई दशक पूर्व बनी इन टंकियां के जर्जर होने की खबर पिछले दिनों ही बीएसपी प्रबंधन को हुई थी। इसके बाद थोड़ी लीपापोती कर मरम्मत की गई और उसे उसी हाल में छोड़ दिया गया। वहीं पानी की टंकी के ध्वस्त होने से इलाके में जलापूर्ति ठप हो गई। हालांकि इस दौरान कोई जनहानि हुई है या नहीं इसकी जानकारी अभी तक नहीं हो पाई है।

चुनाव के नजदीक आते ही राजधानी पुलिस एक्शन मोड में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के ठीक पहले राजधानी पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रहा है। औचक जांच-पड़ताल व अपराधियों की धरपकड़ तेज कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में थाना प्रभारियों सहित पुलिस बलों द्वारा अपने-अपने अनुभाग के थाना क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग, वाहनों में पेट्रोलिंग, क्राईम प्रिवेंशन पेट्रोलिंग (सी.पी.पी.) सहित 112 की टीमों द्वारा कर भीड़-भाड़ वाले स्थान, सार्वजनिक स्थान/सूनसान स्थान में जमवाड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/अड्डेबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की डिक्की, धारदार/बटनदार चाकू रखकर घुमने वालों सहित आम स्थानों पर शराब पीने, शराब पीने हेतु स्थान उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थान पर चार पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों की लगातार चेकिंग की जा रहीं है।

मंदिर के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर। शास्त्री बाजार हनुमान मंदिर के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी लीनेश कुमार साहू 26 वर्ष टिम्बर भवन के पास देवेन्द्र नगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 05 एन 2672 को शास्त्री बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास खड़ी किया था।

कवर्धा विधानसभा में सिंचाई सुविधाओं को मिला विस्तार

वन मंत्री अकबर ने एक और नए घटोला बांध का किया भूमिपूजन

- घटोला जलाशय से होगी 250 हेक्टेयर क्षेत्र में सिचांई की सुविधा
- कवर्धा के किसानों की उन्नति का खुलेगा रास्ता वन मंत्री श्री अकबर

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने बुधवार को खेती-किसानी के लिए कबीरधाम जिले में सिंचाई क्षमता को विस्तार देते हुए एक और नए बांध घटोला जलाशय का भूमिपूजन किया। इस भूमि पूजन के साथ सहसपुर लोहारा क्षेत्र के किसानों की एक और बड़ी मांग आज पूरी हो गई है। इस बांध का निर्माण होने से हजारों किसानों के 250 हेक्टेयर में खरीफ फसल में सिचाई का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस बांध की लम्बाई 480 मीटर होगी और उचाई 17.17 मीटर रखी जाएगी। इसमें दो नग जल द्वार और एक नग वेस्ट वीयर का निर्माण प्रस्तावित है। बांध की दायी तट नहर जिसकी लंबाई 6.54 किलोमीटर और बांयी तट नहर जिसकी लंम्बाई 1.50 किलोमीटर निर्माण होगा। इस प्रकार कुल इन नहरों द्वारा 250 हेक्टेयर में सिचाई सुविधा किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कबीरधाम जिले के कुल सिंचाई क्षमता 28 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 35.90 प्रतिशत बढाने के लिए भी वर्कप्लान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार तैयार कर रही है। वन मंत्री श्री अकबर ने कहा कि कबीरधाम जिले का समग्र विकास के लिए पूरी मजबूती के साथ काम किया जा रहा है। जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने का सपना भी हमारी सरकार पूरा करेगी। जिले में गन्ना उत्पादक किसानों को समृद्ध बनाने के लिए गन्ना बेस इथेनॉल उद्योग बन कर तैयार है। इससे हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का राह सृजन होगा। केबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर नवांगांव में सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 06 लाख रूपए, मंच निर्माण के लिए 02 लाख रूपए और गांव की जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह, उगता सूरज स्व सहायता समूह को 10-10 हजार रूपए देने की घोषणा की। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते पौने पांच वर्षों में प्रदेश में सिचाई क्षमता को विस्तार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई है। प्रदेश के अलग-अलग जिलो में विकासखण्डों में किसानों की स्थिति को सुधारने के लिए अनेक बांध-जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार की नरवा योजना से पूरे प्रदेश में भू-जल स्तर भी सुधरा है। किसानों को इसका सीधा लाभ भी मिलने लगा है। कबीरधाम जिले में सिचाई क्षमता बढ़ाने जिले में और 15 नए जलाशय और व्यपवर्तन पर हमारी सरकार काम कर रही है- वन मंत्री श्री अकबर वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि कबीरधाम जिले में औसत से कम बारिश होती है।

रागी मिलेट से कृषक डोंगर सिंह और विजय शंकर हुए समृद्ध....

- कम लागत में ज्यादा मुनाफा, रागी फसल से भर रहा खजाना

रायपुर/ संवाददाता

यह वर्ष लघु धान्य मिलेट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में लघु धान्य फसलों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इस क्रम में महासमुंद जिले को गत वर्ष 1500 हेक्टेयर का लक्ष्य दिया गया था। विभाग के प्रयास से जिले के पिथौरा, बसना विकासखण्ड में लघु धान्य मिलेट बड़े पैमाने पर लगाए गए। बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भंवरपुर में 100 एकड़ क्षेत्र में 33 किसानों ने रागी फसल का उत्पादन कर लाभ अर्जित किया था। कृषि विभाग द्वारा किसानों को दी गई समझाईश और मुफ्त बीज वितरण से प्रभावित होकर पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम फरौदा के कृषक श्री डोंगर सिह चक्रधारी ने रबी फसल वर्ष 2022-23 में 0.40 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि विभाग की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) अन्तर्गत रागी बीज किस्म वी.एव. मड़िया-376 प्राप्त कर अपने खेत में लगाया था। योजनांतर्गत उन्हें 6 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से बीज एवं इनपुट सामग्री के रूप में अनुदान प्राप्त हुआ। जिससे उन्हें अच्छा उत्पादन और लाभ भी मिला। कृषक श्री चक्रधारी ने बताया कि रागी की फसल से 0.40 हे. में लगभग 12.00 क्विंटल उत्पादन हुआ। जिसे समर्थन मूल्य 3578 रुपए/क्विंटल की दर से लघु वनोपज समिति में विक्रय किया गया। जिससे उन्हे कुल 42 हजार 936 रुपए प्राप्त हुआ। रागी की फसल लेने में उन्हें लगभग 4000 रुपए की कास्त लागत आयी है इस तरह उन्हें इस फसल से 38 हजार 936 रुपए का शुद्ध आय प्राप्त हुआ है। कृषक श्री चक्रधारी बताते है कि वे उत्पादन में वृद्धि के लिए बुवाई से पूर्व कवकनाशी तथा पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित किया ।

मंत्री अमरजीत भगत ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

- खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी के तैयारियों की ली जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ और छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। मंत्री भगत ने नवीन धान खरीदी केंद्रों, पीडीएस दुकानों के आबंटन, पीडीएस दुकानों में चावल की उपलब्धता, नमक, गुड़, चना के संग्रहण की अद्यतन स्थिति कस्टम मिलिंग, बारदानों की उपलब्धता सहित विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए। खाद्य मंत्री भगत ने अधिकारियों से नवीन धान खरीदी केन्द्रों के लिए जिलेवार प्राप्त प्रस्तावों की जानकारी ली। उन्होंने पीडीएस दुकानों के आबंटन तथा दुकानों में पीओएस मशीन लगाने में आ रही दिक्कतों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। मंत्री ने किसान पोर्टल में पंजीयन, खाद्य विभाग के अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती, नवीन खाद्य निरीक्षकों की पदस्थापना के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर उचित कार्यवाही करने को कहा। नागरिक आपूर्ति निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री भगत ने नमक, गुड़, चना के संग्रहण और पीडीएस हेतु चावल की उपलब्धता की जानकारी लेकर मांग व आपूर्ति के अनुरूप भण्डारण सुनिश्चित करने को कहा।

भोपाल में मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल के साथ.

कलेक्टर डॉ भुरे ने किया शुभारंभ

ग्राम तुलसी में विकसित किया जाएगा डिजिटल स्किल सेंटर..

रायपुर/ संवाददाता

जिले के अनूठे यूट्यूबर गांव तुलसी नेवरा में आज यूट्यूबर युवाओं के समूह में खुशी की लहर दौड़ उठी जब कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे उनके बीच उनके गांव पहुंचे और उनके लिए विशेष स्टूडियों ''हमर फ्लिक्स'' का उद्घाटन किया। यह स्टूडियों जिला प्रशासन और सीएसआर हाईटेक द्वारा बनाया गया है। इस अवसर पर बीइंग छत्तीसगढ़िया यूट्यूब चैनल के क्रिएटर श्री ज्ञानेन्द्र शुक्ला सहित अन्य यूट्यूबर्स ने कलेक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिला प्रशासन की इस सहयोग से हमारे गांव के यूट्यूबर्स को सहयोग मिलेगा और पहले से अच्छी गुणवत्ता की यूट्यूब वीडियों बना सकेंगे। पहले जिस कार्य के लिए हम महानगर जाते थे अब उसे अपने गांव में रहकर ही कर सकेंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ परंपरा-संस्कृति का प्रचार प्रसार अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। कलेक्टर ने यहाँ के युवाओं द्वारा बनाए गए यूट्यूब वीडियो को देखा और लाइक भी किया इस अवसर पर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि तुलसी गांव एक हमारे जिले ही नही प्रदेश का अनूठा यूट्यूबर विलेज है जहाँ 40 युवा यूट्यूबर का काम करते हैं जिनके 10 लाख से भी ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इनके बनाये वीडियो में 3 करोड़ से ज्यादा व्यू मिले हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

संतान के दीर्घायु होने की कामना कर माताओं ने रखा कमरछठ व्रत

रायपुर। बच्चों के दीर्घायु होने की कामना करते हुए आज माताओं ने हलषष्ठी का व्रत रखा है। शहर के लगभग प्रत्येक मोहल्ले में सगरी खनन कर माताएं आज दोपहर विधिवत पूजा-अर्चना करेंगी और इसके पश्चात पसहर चावल, दही, 6 प्रकार की भाजी, लाई-महुआ का प्रसाद ग्रहण कर व्रत पूर्ण करेंगी। आज 5 सितंबर दिन मंगलवार को माताएं हल षष्ठी का व्रत धारण की है। छत्तीसगढ़ में हलषष्ठी को कमरछठ के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान कृष्ण के बड़े भाई श्रीबलरामजी का जन्म हुआ था। भगवान बलराम का प्रधान शस्त्र हल तथा मूसल है। इसी वजह से बलरामजी को हलधर कहा जाता है। उन्हीं के नाम पर इस त्योहार का नाम हलषष्ठी पड़ा। भारत के कुछ राज्यों में इस पर्व को ललई छठ के नाम से भी जाना जाता है। बलरामजी को बल बहुत प्रिय है। इसलिए इस दिन हल की भी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महिलाएं यह व्रत संतान प्राप्ति और संतान की लंबी उम्र के लिए करती हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्र सरकार से राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत विद्यमान स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल 6,99,439 परिवारों के साथ-साथ, राज्य सरकार के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में पाए गए 47,090 परिवारों को आवास निर्माण के लिए केन्द्रांश की राशि जारी करने अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने अवगत कराया है कि स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल 6,99,439 परिवारों और राज्य सरकार के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में पाए गए 47,090 परिवारों को राज्य सराकर के द्वारा आवास योजना का लाभ दिलाने राज्यांश की राशि जारी करने का भी निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि दिनांक 03 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में उनके द्वारा लिखे गए पत्र में स्थायी प्रतीक्षा में शामिल 6,99,439 परिवारों के साथ-साथ, आवास प्लस के 8,19,999 परिवारों के लिये राज्य सरकार को लक्ष्य प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। साथ ही वर्ष 2021 22 हेतु आवंटित 7,81,999 आवास के लक्ष्य को भारत सरकार द्वारा वापस लेने की जानकारी दी गई थी। राज्य सरकार द्वारा किये गये इस अनुरोध पर भारत सरकार द्वारा की गई कार्यवाही से आज दिनांक तक अवगत नहीं कराया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी अवगत कराया है भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011 में जनगणना के आधार पर स्थायी प्रतीक्षा सूची तैयार की गई थी।

सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने समिति का गठन जल्द

तंबाकू नियंत्रण के लिए सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया गया

- राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, सहयोगी संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों की बैठक में हुआ मंथन

रायपुर/ संवाददाता

राज्य में तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों पर नियंत्रण के लिए इससे जुड़े कानूनों को कड़ाई से लागू करने तथा सभी शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं को तम्बाकू मुक्त बनाने प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ (एसटीसीसी), राष्ट्रीय सहयोगी संस्थाओं तथा गैर-सरकारी संगठनों की बैठक में इस पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान राज्य में तंबाकू नियंत्रण के लिए सभी संस्थाओं एवं संगठनों की सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया गया। बैठक में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए विस्तार से चर्चा की गई और सहयोगी संस्थाओं की भागीदारी से छत्तीसगढ़ को तंबाकू मुक्त राज्य बनाने का निर्णय लिया गया। राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही सहयोगी संस्थाओं और एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की सराहना की गई। डॉ. जैन ने बैठक में कहा कि राज्य को तंबाकूमुक्त बनाने में संस्थाओं की सहभागिता बहुत आवश्यक है। सामूहिक सहभागिता के माध्यम से ही राज्य को तंबाकूमुक्त बनाया जा सकता है। जन-जागरूकता के जरिए ही तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को राज्य में प्रभावी तरीके

से क्रियान्वित किया जा सकता है। उन्होंने सहयोगी संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि जमीनी स्तर पर तंबाकू नियंत्रण के लिए कोई कमी दिख रही है तो वे इससे विभाग को अवगत कराएं। उन्होंने सामूहिक सहभागिता से खामियों और कमियों को दूर कर तंबाकूमुक्त राज्य की परिकल्पना को किस प्रकार साकार किया जा सकता है, इसे सुनिश्चित कराने में स्वयं का योगदान देने की अपील भी की। बैठक में बताया गया कि राज्य में व्यस्कों एवं बच्चों द्वारा तम्बाकू का उपयोग चिंताजनक है। राज्य की 39.1 प्रतिशत आबादी तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का उपयोग करती है। प्रदेश में 13-15 वर्ष आयु वर्ग के आठ प्रतिशत बच्चे तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इस पर सभी संस्थाओं ने चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों और युवाओं को तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए ठोस कदम उठाने को जरूरी बताया। बैठक में तम्बाकू नियंत्रण के लिए कानूनी प्रावधानों जैसे कोटपा एक्ट-2003, कोटपा छत्तीसगढ़ (संशोधन) अधिनियम-2021 तथा ई-सिगरेट पर प्रतिबंध कानून-2019 का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया गया। छत्तीसगढ़ की सभी शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं को तम्बाकमुक्त बनाने के लिए एक क्रियान्वयन समिति का गठन शीघ्र किए जाने की भी जानकारी इस दौरान साझा की गई। बैठक में 'द यूनियन' संस्था के सीनियर तकनीकी एडवाइजर डॉ. अमित यादव ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण के लिए सामूहिक सहभागिता की जरूरत को रेखांकित किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com